पूर्व राज्यपाल जगदीप धनखड़ गुरुवार को देश के 14वें उपराष्ट्रपति बन गए हैं। उन्हें महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 240 दिनांक:12-08-2022 शुक्रवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

रेवड़ी कल्चर को लेकर चल रही बहस के बीच सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर से सख्त टिप्पणी की है।

राजौरी- सेना कैंप में उरी हमले की आतंकी कोशिश विफल, 2 आतंकी ढेर, 3 जवान शहीद

जम्मू-कश्मीर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर में सेना की मुस्तैदी के चलते आतंकियों की बड़ी साजिश विफल हो गई है। स्वतंत्रता दिवस से पहले जम्मू कश्मीर के राजौरी में आतंकियों ने उरी जैसे हमले की पूरी प्लानिंग कर ली थी। हालांकि, सुरक्षा बलों की वजह से इसे नाकाम कर दिया गया है। दरअसल, राजौरी के पास परगल में कुछ आतंकी आर्मी कैंप में घुसने की कोशिश कर रहे थे। इसके बाद सुरक्षाबलों ने जवाबी फायरिंग शुरू कर दी। इस फायरिंग में दो आतंकी को ढेर कर दिया गया है। हालांकि, हमारे 3 जवान भी शहीद हुए हैं जबकि दो घायल बताए जा रहे हैं। राजौरी से परगल कैंप की दूरी लगभग 25 किलोमीटर की है। आर्मी कैंप में आतंकियों ने आत्मघाती हमले किए। इसी आत्मघाती हमले में हमारे जवान शहीद हुए हैं।

माना जा रहा है कि आतंकवादी पूरी जैसी हमले को दोहराने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन उनकी यह साजिश नाकाम हो चुकी है। भारतीय सेना के अधिकारियों ने बताया कि राजौरी से 25 किलोमीटर दूर एक आतंकी हमले में दो आतंकियों ने सेना की एक कंपनी की ऑपरेटिंग बेस पर आत्मघाती हमला किया। दोनों आतंकवादी मारे गए हैं, जबकि इसमें 3 जवान शहीद हो गए। अभी भी ऑपरेशन जारी है। आतंकवादी हमले में घायल सेना के जवानों में एक अधिकारी भी शामिल हैं और उन्हें इलाज के लिए भेजा गया है। 16 कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह लगातार जमीनी हालात पर नजर बनाए हुए हैं।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) मुकेश सिंह ने कहा कि कुछ लोगों (आतंकवादियों) ने पारगल में सेना के एक शिविर की बाड़ पार करने की कोशिश की। जवानों ने उन्हें रोकने की कोशिश की और इसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। सेना के एक अधिकारी ने कहा कि राजौरी के पारगल में अंधेरे में दो आतंकवादी चौकी में घुसने की कोशिश कर रहे थे। सतर्क सैनिकों ने उनको रोकने की कोशिश की। एडीजीपी ने बताया कि दारहल थाने से करीब छह किलोमीटर दूर स्थित सेना के इस शिविर में अतिरिक्त बल भेजा गया है। आपको बता दें कि 2016 में जम्मू-कश्मीर के उरी में पाकिस्तान से आए जैश-ए-मोहम्मद के चार आतंकवादियों ने आर्मी हेड क्वार्टर पर हमला कर दिया था। इसमें 19 जवान शहीद हो गए थे। हालांकि चारों आतंकी को ढेर कर दिया गया था। इसी हमले की जवाबी कार्रवाई में भारत की ओर से पीओके में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक की गई थी।

जगदीप धनखड़ बने देश के 14वें उपराष्ट्रपति, राष्ट्रपति मुर्मू ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व राज्यपाल जगदीप धनखड़ गुरुवार को देश के 14वें उपराष्ट्रपति बन गए हैं। उन्हें महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री सहित सभी दिग्गज नेताओं की उपस्थिति में जगदीप धनखड़ने उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह से पहले जगदीप धनखड़ ने राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष नीतीश कुमार, पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी, गृह मंत्री अमित शाह सहित कई केंद्रीय मंत्रियों और गणमान्य लोग उपस्थित थे। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को वेंकैया नायडू और उनके उत्तराधिकारी धनखड़ की उनके आवास पर मेज़बानी की। लोकसभा सचिवालय ने एक बयान में कहा कि नायडू और बिरला ने नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के साथ राष्ट्रीय हित और संसदीय मामलों के मुद्दों पर अपने दृष्टिकोण और अनुभव साझा किए।

स्टील,कपड़ा व रियल एस्टेट कारोबारियों के ठिकानों पर आयकर की रेड, 390 करोड़ की बेनामी संपत्ति, 58 करोड़ कैश, 32 किलो सोना बरामद

मुंबई(ईएमएस)। महाराष्ट्र में आयकर विभाग ने जालना में एक स्टील, कपड़ा व्यापारी और रियल एस्टेट कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान लगभग 390 करोड़ रुपये की बेनामी संपत्ति जब्त की गई, जिसमें 58 करोड़ रुपये कैश, 32 किलो सोना, मोती-हीरे और संपत्ति के कागजात शामिल हैं। आयकर विभाग ने डेवलपर के परिसरों में 1-8 अगस्त तक छापेमारी की।

आयकर विभाग की नासिक ब्रांच ने ये कार्रवाई की और राज्य भर के 260 अधिकारी और कर्मचारी इस कार्रवाई में शामिल हुए और छापेमारी में 120 से ज्यादा गाड़ियों का इस्तेमाल हुआ।

‘काला जादू’ जैसी अंधविश्वासी बातें करके पद की गरिमा न घटाएं पीएम मोदी : राहुल गांधी

नई दिल्ली (ईएमएस)। महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर कांग्रेस के राजधानी दिल्ली में पांच अगस्त को काले कपड़े पहनकर जोरदार प्रदर्शन किया था। इसे लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर हमलावर हैं उन्होंने कहा कि जो लोग काले जादू में विश्वास करते हैं वे कभी भी फिर से लोगों का विश्वास नहीं जीत पाएंगे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक टिप्पणी को लेकर गुरुवार को उन पर निशाना साधते हुए कहा कि ‘काला जादू’ जैसी अंधविश्वासी बातें करके उन्हें अपने पद की गरिमा घटाना और देशवासियों को भटकाना बंद करना चाहिए। उन्होंने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री को महंगाई नहीं दिखती? बेरोज़गारी नहीं दिखती? अपने काले कारनामों को छिपाने के लिए, ‘काला जादू’ जैसी अंधविश्वासी बातें करके पीएम पद की गरिमा को घटाना और देशवासियों को भटकाना बंद कीजिए, प्रधानमंत्री जी।

राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री को जनता के मुद्दों पर जवाब तो देना ही पड़ेगा। गौरतलब है कि कांग्रेस के नेताओं ने महंगाई के विरोध में पांच अगस्त को काले कपड़े पहनकर प्रदर्शन किया था। इसे लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि जो लोग काले जादू में विश्वास करते हैं वे कभी भी फिर से लोगों का विश्वास नहीं जीत पाएंगे।

राजौरी की घटना से छिप नहीं सकती सरकार, देना होगा जबाव : खड़गे

नई दिल्ली (ईएमएस)। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राजौरी में हुए आतंकी हमले को लेकर कहा कि इस तरह के हमलों के बाद सरकार छिप नहीं सकती और सरकार को जवाब देना होगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ट्वीट किया, राजौरी में एक और आतंकवादी के बारे में सुनकर दुखी हूं। इस हमले में हमारे बहादुर जवानों की जान गई है। देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।''राजौरी जिले में गुरुवार को तड़के दो आतंकवादियों ने सेना के शिविर पर ‘आत्मघाती’ हमला किया जिसमें तीन जवानों की मौत हो गई। चार घंटे तक चली गोलीबारी के बाद दोनों आतंकवादियों को मार दिया गया। अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि यहां से 185 किलोमीटर दूर पारगल स्थित सैन्य शिविर के बाहरी घेरे से अंदर आने की कोशिश कर रहे आतंकवादियों ने देर रात करीब दो बजे पहली बार गोलीबारी की।

अर्थव्यवस्था डूब रही है मुफ्त सौगातें एक गंभीर मुद्दा रेवड़ी कल्चर पर फिर बरसा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। रेवड़ी कल्चर को लेकर चल रही बहस के बीच सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर से सख्त टिप्पणी की है। कोर्ट का कहना है कि इस कल्चर के चलते अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान हो रहा है। अदालत ने गुरुवार को कहा कि चुनावों के दौरान किए जाने वाले मुफ्त सुविधाओं के वादे ठएक गंभीर मुद्दाठ है क्योंकि इससे अर्थव्यवस्था को नुकसान हो रहा है। शीर्ष अदालत ने वकील अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर के दौरान ये टिप्पणी की। याचिका में चुनावों के दौरान मतदाताओं को लुभाने के लिए 'मुफ्त' का वादा करने वाले राजनीतिक दलों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी। याचिका में चुनाव घोषणापत्र को विनियमित करने के साथ-साथ उसमें किए गए वादों के लिए राजनीतिक दलों को जवाबदेह ठहराने के लिए कदम उठाने को कहा गया है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक भारत के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना ने कहा, ठकोई यह नहीं कह रहा है कि यह मुद्दा नहीं है। यह एक गंभीर मुद्दा है। जिसे मिल रहा है वे चाहते हैं कि मिलता रहे, हम एक कल्याणकारी राज्य हैं। कुछ लोग कह सकते हैं कि वे टैक्स देते हैं और इसका इस्तेमाल विकास प्रक्रिया के लिए किया जाना चाहिए है। इसलिए यह एक गंभीर मुद्दा है। इसलिए दोनों पक्षों को समिति द्वारा सुना जाना है।ठ मुख्य न्यायधीश ने यह भी कहा कि भारत एक ऐसा देश है जहां ठगरीबी मौजूद है और केंद्र सरकार की भी भूखे लोगों का पेट भरने की योजना है।ठ उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था पैसे खो रही है इसलिए ठलोगों के कल्याण को संतुलित करना होगा।ठ गौरतलब है कि प्रधान न्यायाधीश एन वी रमना और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी व न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने तीन अगस्त को केंद्र, नीति आयोग, वित्त आयोग और आरबीआई जैसे हितधारकों से मुफ्त चीजों के वादों के गंभीर विषय पर मंथन करने और इनसे निपटने के लिए सकारात्मक सुझाव देने को कहा था। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी लोगों को 'रेवड़ी कल्चर' के खिलाफ आगाह किया था। पीएम मोदी ने कहा था कि यह देश के विकास के लिए खतरनाक हो सकती है। बुधवार को पीएम ने किसी पार्टी का नाम लिए बिना यह भी कहा कि आत्मनिर्भर बनने के भारत के प्रयास में मुफ्त उपहार एक बाधा है और यह करदाताओं पर बोझ भी है।

महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद विभाग नहीं देने पर प्रियंका चतुर्वेदी ने उठाये सवाल

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र में अभी तक विभागों का बंटवारा नहीं हुआ है। इसको लेकर विपक्ष लगातार सवाल खड़े कर रहा है। शिवसेना की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने पूछा, 'कैबिनेट के लिए 40 दिन, जिम्मेदारी सौंपने के लिए और कितने दिन?'

महाराष्ट्र में शपथ लेने वालों में बीजेपी की ओर से चंद्रकांत पाटिल, सुधीर मुनगंटीवार, राधा कृष्ण विखे पाटिल, गिरीश महाजन, सुरेश खाडे, रविंद्र चव्हाण, मंगल प्रभात, विजय कुमार गवित और अतुल सावे शामिल हैं। वहीं एकनाथ शिंदे खेमे से दादा भूसे, उदय सामंत, गुलाबराव पाटिल, तानाजी सावंत, संजय राठौड़ और संदीपन भूमारे शामिल हैं।

कहा जा रहा है कि कैबिनेट विस्तार के मुद्दे को लेकर देवेंद्र फडणवीस और शिंदे हाल के दिनों में कई बार दिल्ली गए थे। महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल विस्तार के अवाला अब शिंदे गुट और उद्धव ठाकरे गुट के बीच शिवसेना किसकी होगी इस बात को लेकर जंग और तेज होने वाली है।

28 अगस्त को महंगाई पर हल्ला बोल रैली का आयोजन करेगी कांग्रेस

17 से 23 अगस्त तक देशभर में आयोजित होगी महंगाई चौपालठ

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस महंगाई और बेरोजगारी के मामले पर केंद्र को घेरने के मकसद से 28 अगस्त को दिल्ली के रामलीला मैदान में ठमहंगाई पर हल्ला बोलठ रैली का आयोजन करेगी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश के अनुसार, इस रैली से पहले 17 से 23 अगस्त के बीच देश के सभी विधानसभा क्षेत्रों की मंडियों, खुदरा बाजारों और अन्य कई स्थानों पर ठमहंगाई चौपालठ आयोजित होगी। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने गत पांच अगस्त को मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आंदोलन किया जिसके साथ लोगों ने खुद को जोड़ा। प्रधानमंत्री ने हताशा में आकर इस काला जादू ठ बताने का प्रयास किया जो इस बात को दर्शाता है कि भाजपा सरकार आसमान छूती महंगाई और बेरोजगारी पर अंकुश लगाने में नाकाम रही है।''

कांग्रेस नेता रमेश के अनुसार, कांग्रेस महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ अपनी लड़ाई को आने वाले हफ्तों में और तेज करेगी। उन्होंने कहा, कांग्रेस 17 से 23 अगस्त के बीच देश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में मंडियों, खुदरा बाजारों और अन्य कई स्थानों पर ठमहंगाई चौपालठ आयोजित करेगी। इसका समापन 28 अगस्त को रामलीला मैदान में ठमहंगाई पर हल्ला बोल ठ रैली के साथ होगा। इस रैली को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संबोधित करने वाले हैं। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि रामलीला मैदान की रैली को पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी संबोधित करने वाले हैं। रमेश ने बताया कि इस रैली से इतर प्रदेश कांग्रेस कमेटियां राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर ठमहंगाई पर हल्ला बोल-चलो दिल्ली ठ कार्यक्रम का आयोजन करेंगी।

कांग्रेस ने दावा किया, भारत के लोग मोदी सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन का खामियाजा भुगत रहे हैं। दही, छाछ, पैक की गई खाद्य वस्तुएं जैसे आवश्यक सामानों पर अत्यधिक करों के कारण महंगाई बढ़ रही है, जबकि सार्वजनिक सम्पत्तियों को मित्र पूंजीपतियों को हस्तांतरित करने और सेना में भर्ती की दिशाहीन अग्निपथ योजना जैसे कदमों से रोजगार की स्थिति बद से बदतर हो रही है।

रामबन में पहाड़ दरकने और बादल फटने से दो की जान गई, राष्ट्रीय राजमार्ग भी बंद

जम्मू (ईएमएस)। इन दिनों देश में मूसलाधार बारिश का कहर जारी है कई राज्यों में भारी बरसात हो रही है। इसके चलते पहाड़ी राज्यों में पहाड़ दरकने (लैंडस्लाइड्स) और बादल फटने की भी घटनाएं सामने आई हैं। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में गुरुवार को लैंडस्लाइड और बादल फटने की वजह से दो लोगों की जान चली गई। इसके चलते जम्मू-श्रीनगर हाईवे को बंद करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, यह घटना गुरुवार की है, जब रामबन जिले में बादल फट गया। इसके चलते लैंडस्लाइड हुई, जिससे पहाड़ों के पत्थर हाईवे पर आने लगे। जिला प्रशासन बचाव कार्य में जुट गया है और जल्द से जल्द नेशनल हाईवे को फिर से शुरू करने की कोशिश कर रहा है।

मालूम हो कि जम्मू-कश्मीर में भी लगातार बारिश हो रही है। इससे जम्मू में तवी नदी का जलस्तर बढ़ गया। जम्मू के डिप्टी कमिश्नर ने अलर्ट जारी करते हुए लोगों से नदी के किनारे नहीं जाने की अपील की है। उधर, बीती रात हिमाचल के कुल्लू जिले के आनी में बादल फटने से कई दुकानें और गाड़ियां पानी में बह गईं। बादल फटने की यह घटना बीती रात तीन बजे की है। बादल फटने से देवठी पंचायत और आनी बाजार में बाढ़ ने नुकसान हुआ है। आनी में अचानक बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई, जिसके बाद सब्जी मार्केट में 10 दुकानें और तीन कार बह गईं। वहीं, आनी के ही गूगरा और देवठी गांव में भी कई घरों में पानी घुस गया। गूगरा गांव में कई घरों और गाड़ियों को भी बाढ़ से नुकसान हुआ है। इस घटना के बाद से ही जिला प्रशासन बचाव कार्य में लगा हुआ है।

सीएनजी तथा पीएनजी के दाम नीचे लाने की तैयारी में जुटी मोदी सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेट्रोलियम मंत्रालय ने सीएनजी और पाइप वाली रसोई गैस (पीएनजी) के दामों में नरमी लाने के लिए प्राकृतिक गैस की आपूर्ति को उद्योगों से शहर गैस वितरण कंपनियों की तरफ मोड़ने का आदेश दिया है। आयातित ईंधन के इस्तेमाल से पिछले एक साल में सीएनजी और पीएनजी के दाम 70 प्रतिशत बढ़े हैं। मंत्रालय ने करीब तीन महीने पहले वाहन ईंधन सीएनजी और रसोई में इस्तेमाल होने वाले ईंधन पीएनजी की बढ़ी मांग को पूरा करने के लिए महंगी आयातित एलएनजी के इस्तेमाल का निर्देश दिया था।

मंत्रालय हालांकि, 10 अगस्त को शहर के गैस संचालन के लिए मुख्य रूप से घरेलू स्तर पर उत्पादित गैस की आपूर्ति की पुरानी नीति पर वापस आ गया है। अधिकारियों ने कहा कि दिल्ली की इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) और मुंबई की महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) जैसी शहर गैस वितरण कंपनियों के लिए आवंटन 1.75 करोड़ घन मीटर प्रतिदिन से बढ़ाकर 2.078 करोड़ घन मीटर कर दिया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, बढ़ा हुआ आवंटन देश में पाइप के द्वारा रसोई गैस और वाहनों के लिए सीएनजी आपूर्ति की 94 प्रतिशत मांग को पूरा करेगा। उन्होंने बताया कि अबतक करीब 83 प्रतिशत मांग इसके द्वारा पूरी की जाती थी और शेष आवंटन गेल द्वारा एलएनजी के आयात के द्वारा पूरी किया जाता था।

पूर्व व्यवस्था के तहत गेल एलएनजी के साथ घरेलू स्तर पर उपलब्ध गैस की औसत कीमत के आधार पर उसकी आपूर्ति करता थी। अधिकारियों ने बताया कि आयातित ईंधन के बजाय घरेलू गैस के इस्तेमाल से कच्चे माल की लागत घटेगी और सीएनजी तथा पीएनजी के दाम नीचे आएंगे।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जीएसटी का विरोध शुरू

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड द्वारा दी जाने वाली सेवाओं पर, जीएसटी लगाए जाने का विरोध शुरू हो गया है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियां सरकार के इस निर्णय से नाराज हैं। विदेशी निवेशकों का कहना है कि इस निर्णय से उन सेवाओं के निर्यात पर जीएसटी लगेगा,जो अभी शुल्क मुक्त है।

एफपीआई इस मुद्दे पर वित्त मंत्रालय के समक्ष 18 फ़ीसदी जीएसटी का मामला उठाकर,अपना विरोध दर्ज करा रहा है। जीएसटी नियमों के अनुसार वस्तु या सेवाओं के निर्यात को जीरो रेटेड सप्लाई के तौर पर अभी मान्यता थी। लेकिन अब नए स्पष्टीकरण से सेवाएं 18 फ़ीसदी जीएसटी के दायरे में आ गई हैं। स्टॉक एक्सचेंज और प्रतिभूति बाजार से संबंधित सभी सेवाओं पर 18 फ़ीसदी जीएसटी की तलवार लटक गई है। विदेशी निवेशक रजिस्ट्रेशन शुल्क, फाइलिंग एवं अन्य दस्तावेजों की फीस को जीएसटी के दायरे में लाने का विरोध शुरू कर दिया है। विदेशी निवेशक सेवाओं पर जीएसटी लागू करने के खिलाफ हैं। जल्द ही वह वित्त मंत्रालय को इस संबंध में स्पष्टीकरण जारी करने के लिए दबाव बना रहे हैं।

बांदा में नाव डूबी 3 मृत दर्जनों बहे

बाँदा (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले की यमुना नदी में एक नाव डूब गई है। इस नाव में 4 दर्जन से अधिक लोग सवार थे। जिला प्रशासन द्वारा डूबे हुए लोगों को निकालने के लिए कार्यवाही की जा रही है।अभी तक 3 मृतकों के शव मिले हैं। इस नाव में 4 दर्जन से ज्यादा लोग सवार थे। जो तेज बहाव में बह गए हैं। जिला प्रशासन ने आसपास के क्षेत्रों में अलर्ट जारी किया है। यात्रियों को सुरक्षित निकालने के लिए प्रयास चल रहे हैं।

बिहार में बीजेपी पलेटगी हारी बाजी स्पीकर सिन्हा कर सकते हैं खेला

नई दिल्ली (ईएमएस)। बिहार की राजनीति में सियासी हलचल धीमी नहीं हुई है। समीकरण बदलने के साथ ही एक-एक दिन अहम हो गया है। कैबिनेट विस्तार पर अटकलों के बीच विधानसभा के अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा का सियासी दांव महागठबंधन के लिए मुश्किलें बढ़ाता दिख रहा है। हालांकि, सत्तारूढ़ दलों ने उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव की प्रक्रिया शुरू कर दी है, लेकिन विधानसभा सत्र के लिए 24 अगस्त तक का इंतजार भारी पड़ सकता है। सरकार बदलने के साथ ही अध्यक्ष के इस्तीफा देने की संभावनाएं ज्यादा होती है, लेकिन सिन्हा के मामले में ऐसा नहीं है। उन्होंने पद छोड़ने से मना कर दिया है। अब उनके इस कदम के बाद महागठबंधन ने भी स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के लिए नोटिस विधानसभा सचिव को दे दिया। हालांकि, आंकड़े महागठबंधन के पक्ष में हैं और ऐसे में सिन्हा का पद से जाना लगभग तय है। राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने शपथ लेने के बाद दो मंत्रियों की कैबिनेट की बैठक बुलाई। फैसला किया गया कि विश्वास मत हासिल करने के लिए 24 अगस्त को सत्र बुलाया जाएगा। अब सवाल है कि जब महागठबंधन के साथ 164 विधायकों का समर्थन है, तो विश्वास मत के लिए एक पखवाड़ा क्यों लग रहा है? इस नोटिस के चलते ही महागठबंधन को 15 दिनों का इंतजार करना पड़ेगा। दरअसल, पूर्व अध्यक्ष विजय कुमार चौधरी कहते हैं कि नियमों के अनुसार, नोटिस को जमा किए जाने के 14 दिन बाद ही उसपर चर्चा हो सकती है और सत्र शुरू होने पर यह सबसे पहला एजेंडा होगा। उन्होंने कहा, 'मुझे भी पता चला है कि महागठबंधन ने अविश्वास नोटिस दिया है। ऐसे में 14 दिनों का समय 23 अगस्त को खत्म हो रहा है और सत्र 24 अगस्त को होगा। उन्होंने बताया, 'उस दिन सबसे पहले अविश्वास प्रस्ताव पर नोटिस पर चर्चा सबसे पहले की जाएगी। जब अविश्वास प्रस्ताव लिया जाता है, तो स्पीकर खुद अध्यक्षता नहीं कर सकता। ऐसे में डिप्टी स्पीकर काम संभालेंगे।' विधानसभा में जदयू नेता महेश्वर हजारी डिप्टी स्पीकर हैं। नीतीश कुमार की पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि स्पीकर या भाजपा विश्वास मत को केवल टाल सकते हैं। उन्होंने कहा, 'महागठबंधन एक है। सबकुछ पहले ही तय हो चुका है। मंत्रियों के लिए विभाग आवंटित हो गए हैं और किस पार्टी को कैबिनेट में कितनी बर्थ मिलेंगी, इसपर भी चर्चाएं हो चुकी हैं। लेकिन जहां तक नेताओं की बात है कांग्रेस और राजद दिल्ली में बैठे अपने आलाकमान से विचार विमर्श कर चीजों को अंतिम रूप देंगे।' उन्होंने कहा, 'सीपीआई-एमएल को भी फैसला लेना है। यह कोई मुद्दा नहीं है।

चंबा के भरमौर में, मणिमहेश की तीर्थयात्रा को बादल फटने के कारण रोका

चंबा (ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश में चंबा के भरमौर में, मणिमहेश की तीर्थयात्रा को बादल फटने के कारण अचानक आई बाढ़ के कारण रोक दिया गया है। यहाँ बारिश ने कहर बरपाया है। राज्य के कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। चंबा बाढ़ का सितम झेल रहा है तो कुल्लू में भूस्खलन की वजह से कई लोगों ने अपनी जान तक गंवाई है। बादल फटने और लैंडस्लाइड की घटनाओं के कारण राज्य में अभी तक दो लोगों की मौत हो चुकी है।

इसका वीडियो भी सोशल साइट्स पर वायरल हो रहा था। राज्य आपदा प्रबंधन के निदेशक सुदेश मोखता के अनुसार कुल्लू में लैंडस्लाइड के कारण दो लोगों की मौत की सूचना है। मृतकों की पहचान चावेलू देवी और कृतिका के रूप में की गई है। कुल्लू के ही देउती गांव में बादल फटने की वजह से दस दुकानें और तीन गाड़ियां बह गई हैं। भारी बारिश और जगह-जगह भूस्खलन की वजह से कुल्लू से मंडी तक राष्ट्रीय राज्यमार्ग को बंद किया गया है।

कार्टून कोना

गगनयान प्रोजेक्ट में इसरो का एलईएम परीक्षण हुआ सफल

श्रीहरिकोटा(ईएमएस) इसरो ने मानव अंतरिक्ष उड़ान परियोजना गगनयान से जुड़ा एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष प्रक्षेपण केंद्र से लो एल्टीटयूड एस्केप मोटर (एलईएम) के सफल परीक्षण के साथ पूरा हुआ। यह परीक्षण किसी आपात स्थिति में अंतरिक्ष यात्रियों को बचाने की प्रणाली से जुड़ा है। इसरो ने एक बयान में कहा कि क्रू एस्केप सिस्टम किसी आपात स्थिति में गगनयान मिशन के क्रू मॉडयूल को अलग कर देता है और अंतरिक्ष यात्रियों को बचाने का काम करता है। एसे परीक्षणों का मुख्य उद्देश्य मोटर बैलिस्टिक मानकों और अन्य महत्वपूर्ण चीजों को परखने का होता है।

गगनयान मिशन के तहत 2022 के अंत तक भारत के अंतरिक्षयात्रियों को अंतरिक्ष में भेजने की योजना है। गगनयान मिशन के तहत भारत की स्वतंत्रता के 75 साल पूरे होने के अवसर पर 2022 में 4 सदस्यीय दल को 5 से 7 दिन के लिए अंतरिक्ष में भेजना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2018 में स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र के नाम संबोधन में इस मिशन का ऐलान किया था। कोरोना महामारी की वजह से इस मिशन में पहले ही देरी हो चुकी है। इसरो ने दिसंबर 2020 में पहली मानव रहित उड़ान, जुलाई 2021 में दूसरी और दिसंबर 2021 में पहला मानव अंतरिक्ष यान मिशन की योजना बनाई थी। हालांकि कोरोना महामारी के चलते इसरो की ये योजना प्रभावित हो गई और अब नए शेडयूल के मुताबिक पहले दो मानव रहित उड़ानें होंगी। इन दोनों के सफल परीक्षण के बाद इसरो पहला मानव अंतरिक्ष यान भेजेगा।

नीतीश कुमार के निर्णय पर खुश हुई शिवसेना, बोली- भाजपा के खिलाफ खड़ा किया तूफान

मुंबई, (ईएमएस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा भाजपा का साथ छोड़कर आरजेडी के साथ सरकार बनाने से शिवसेना खुश हो गई है। शिवसेना का कहना है कि नीतीश कुमार के इस कदम ने भाजपा के लिए तूफान खड़ा किया है, जो आने वाले समय में चक्रवात में तब्दील होगा। शिवसेना ने कहा कि इससे देश भर में माहौल बनेगा और 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले यह आंधी एक चक्रवात में तब्दील होगी। अपने मुखपत्र 'सामना' में शिवसेना ने नीतीश कुमार की जमकर तारीफ करते हुए लिखा है कि उनका यह फैसला काफी अच्छा है। भाजपा ने नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू को तोड़ने का प्रयास किया था, लेकिन उन्होंने उलटा झटका देते हुए उससे संबंध ही खत्म कर लिए। शिवसेना ने कहा कि भाजपा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह के साथ मिलकर जेडीयू को ही तोड़ने की कोशिश की थी। अब नीतीश कुमार ने उल्टे झटका दिया है और इसका बड़ा असर होगा। शिवसेना ने कहा कि समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण की धरती बिहार में जो राजनीतिक क्रांति हुई है, उसे पूरा देश महसूस कर रहा है। यह नए समीकरण 2024 में भाजपा को चुनौती दे सकते हैं। ज्ञात हो कि लोकसभा की सबसे ज्यादा 80 सीटें यूपी में हैं। इसके अलावा 48 सीटें महाराष्ट्र में हैं। इसके अलावा बंगाल में 42 और बिहार में 40 सीटें हैं। इसके साथ ही शिवसेना ने एक बार फिर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर हमला बोला है। शिवसेना ने कहा कि एकनाथ शिंदे ने तो दिल्ली दरबार के आगे अपना माथा टेक दिया। एकनाथ शिंदे को यह समझना चाहिए कि नीतीश कुमार ने रास्ता दिखाया है कि बिना भाजपा के भी रहा जा सकता है। शिवसेना ने नीतीश कुमार और लालू यादव के बीच लंबे समय से चली आ रही प्रतिस्पर्धा को लेकर भी कहा कि अब यह खत्म हो जानी चाहिए। शिवसेना ने लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी यादव की भी जमकर तारीफ की है। शिवसेना ने कहा कि तेजस्वी यादव ने ही बीते विधानसभा चुनाव में दिखाया था कि वह अपने दम पर जेडीयू-भाजपा गठबंधन को चुनौती दे सकते हैं। शिवसेना ने कहा कि नीतीश कुमार ने तूफान खड़ा कर दिया है। यह और बढ़ेगा तो चक्रवात में तब्दील हो जाएगा और इससे भाजपा को चुनौती मिलेगी। आपको बता दें कि 2020 के चुनाव में आरजेडी और जेडीयू ने एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ा था, जबकि अब साथ में आ गए हैं। बीते 4 दशकों में लालू यादव और नीतीश कुमार के रिश्तों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं।

जन हितैषी

मंदी में दुनिया

रूस-यूक्रेन युद्ध का असर इटली समेत यूरोप के कई देशों की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। रूस से मिलने वाले कच्चे तेल पर काफी हद तक निर्भर पूर्वी यूरोप के कुछ हिस्से, जर्मनी, इटली एवं तुर्की के लोगों के लोगों के लिए चीजें पहले से महंगी हो गई हैं। डॉलर के मुकाबले 20 वर्ष में पहली बार यूरो में 12 फीसदी की गिरावट देखी गई है। एक यूरो एक डॉलर पर पहुंच गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से उत्पन्न ऊर्जा संकट को इसका प्रमुख कारण बताया जा रहा है। इसकी वजह से यूरोपीय देशों में आर्थिक मंदी का खतरा उत्पन्न हो गया है। देर-सबेर इसकी छाया भारत पर भी पडऩी तय है। भारत भी अब तक कोविड के नकारात्मक प्रभाव से बाहर नहीं आ सका है। युद्ध के संकट के चलते बाजार में मंदी का प्रभाव है। यह समय हमारे चेतने का है और तैयारियां करने का है। कड़े कदम के तहत हाल ही में रूस ने नॉर्ड स्ट्रीम 1 पाइपलाइन के रखरखाव की बात कहकर इटली को गैस आपूर्ति में कटौती की है।

यूरोप के अन्य देशों में भी हालात बिगड़ रहे हैं। खाद्यान्न संकट और गैस, एवं पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति में कमी की वजह से यह समस्या सामने आई है। बिगड़ती आर्थिक और ऊर्जा संकट की स्थिति से निपटने के लिए इटली आपातकालीन कदम उठाने को मजबूर है। यूरोजोन में महंगाई की दर 8.6 है। जर्मनी को 1991 के बाद पहली बार व्यापार घाटा हुआ है। इसकी वजह तेल की कीमत में काफी तेजी है, सप्लाई चेन की मुश्किलों की वजह से आयात की लागत बढ़ गई है। हंगरी की सरकार ने ऊर्जा के क्षेत्र में आपातकाल स्थिति की घोषणा की है। हंगरी ने ऊर्जा संसाधनों और जलाऊ लकड़ी के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। यूरो मुद्रा का इस्तेमाल करने वाले देशों में महंगाई रिकॉर्ड दर स्तर पर पहुंच गई है। यूरोप की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं एक साथ कई मोर्चे पर संकट से जूझ रही है। महामारी और युद्ध के संकट ने महंगाई बढ़ा दी है और विकास घट गया है। एक तरफ यूक्रेन युद्ध के प्रभाव में ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं तो दूसरी तरफ कोविड की महामारी के बाद अर्थव्यवस्था में तेजी पूरी तरह से लौटी नहीं है। इन देशों में रहने वालों के घरेलू खर्च का बजट गड़बड़ा गया है। यह आशंका भी लगातार बनी हुई है कि रूस से तेल और गैस की सप्लाई आने वाले हफ्तों या महीनों में रुक सकती है। रूस दुनिया में तेल का सबसे बड़ा निर्यातक है। जाहिर है कि इस आशंका ने तेल और गैस की कीमतों को और ज्यादा बढ़ाया है। महामारी के चलते बीते दो साल से ज्यादा समय में तेल की मांग और कीमत काफी नीचे चले गए थे। इसके नतीजे में तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक और उसके सहयोगी रूस ने उत्पादन बढ़ाने में काफी सावधानी बरती और फिर तेल के दाम ऊपर चले गए। युद्ध शुरू होने से पहले ही बढ़ रही तेल की कीमतों को अब पर लग गए हैं। यूक्रेन युद्ध के चलते कई जर्मन कंपनियों के उत्पादन में बाधा आई है। प्रमुख कार कंपनी फोल्क्सवागन को तो कई बार अपनी फैक्ट्री बंद करने की नौबत आ गई। इसी हफ्ते की शुरुआत

में 2022 के लिए जर्मनी ने विकास दर का अनुमान 3.6 फीसदी से घटा कर 2.2 कर दिया। महंगाई के कारण फ्रांस में भी पहली तिमाही में विकास दर घट कर शून्य हो गयी है. इससे पहले अनुमान लगाया गया था कि यह 0.3 फीसदी बढ़ेगी। इसी तरह वहां सालाना विकास दर भी अप्रैल में बढ़ कर 4.8 हो गई है जो एक महीने पहले 4.5 फीसदी थी। फ्रांस की अर्थव्यवस्था ने पिछले साल मजबूत वापसी की थी और ऐसा लग रहा था कि कोरोना काल में हुए नुकसान की सारी भरपाई हो गई लेकिन अब जो हालात बन रहे हैं उसमें मंदी का आशंका जोर पकड़ रही है। कीमतों के ज्यादा होने से मांग में तेजी नहीं आ रही है दूसरी तरफ ऊर्जा और खाने पीने की चीजों की सप्लाई पर संकट मंडरा रहा है।

मोदी के राडार पर क्या होंगे नीतीश कुमार ?

आजकल जो भी शासक के विरोध में जाता हैं उसे शासक का कोपभाजन बनना पड़ रहा हैं क्योकि शासक भरत चक्रवर्ती बनना चाहते हैं और कम से कम तीन चौथाई राष्ट्र उनके कब्जे में हैं, कोई बगावत करे उन्हें नामंजूर होता हैं।

बहुत पहले की बात थी जब सैनिक घोडा, हाथी से आते थे और रास्ते भर लूट खसोट करते थे, लूट को, शासक को भी भेट करते थे तब तक गंगा का पानी खूब बह जाता था। फिर छोटा राजा भयग्रस्त होकर आत्मसमर्पण कर देते थे या लड़ते थे तो जीतते या हारते थे। सम्राट कभी हार स्वीकार नहीं करते थे। यदि कभी मुंह की खानी पडी तो वे अन्याय का रास्ता यानी अन्य आय का रास्ता अख्तियार करते थे जो वर्तमान में भी लागु होता हैं। इसके लिए प्रमाण की आवश्यकता नहीं हैं।

कभी कभी एक ही उस्ताद के चेले यदि आपस में टकराते हैं तो वे बहुत सीमा तक समान दांव -पेंच लगाते हैं पर उस्ताद हर चेले को अपना अलग- अलग गुरु मन्त्र देते हैं वो भी इशारों में या कान में। उसके बाद हर चेला अपने अपने अनुभव से ठखेलाठ खेलते हैं। ये खेला अपने शागिर्दों के साथ ही खेलते हैं।

इस समय शासक की शक्ति ठतीसरी आंख ठपर हैं। गुप्तचरी, सी आई। डी, सी बी आई, और अन्य अनुषांगिक संगठन का दुरूपयोग करते हैं। जीवंत उदाहरण महाराष्ट्र में बड़बोले संजय सपरिवार जेल में सानंद अपना समय बिता रहे हैं। क्योकि सत्ता गयी और शक्ति गयी। नीतीश कुमार भी उसी उस्ताद के चेले रहे हैं जिनके गुरु- भाई सम्राट हैं। इसीलिए नीतीश कुमार समय नष्ट न करके तत्काल नए मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर पुनः शक्ति सम्पन्न होकर सम्राट से लड़ने योग्य हो जायेंगे।

इस बार सम्राट गच्चा खा गए कारण उनकी गुप्तचरी यह आभास नहीं कर पाई की दुश्मन का दुश्मन दोस्त हो जायेंगे। वैसे राजनीति में सब संभव हैं। अब नीतीश कुमार के ऊपर खतरों के बादल आना शुरू हो जायेंगे, कई अनियमितायें, कांडों भ्रष्टाचारों की जांचें शुरू होंगी और उनको जेल भेजने की तैयारी की जा चुकी हैं, क्योकि शासक अपने सामने कोई भी उनकी आँख की किरकिरी नहीं बन सकता। वे उनको उखड फेकने का पूरा जतन करेंगे और नीतीश अपने हनुमान जैसे बल का उपयोग करेंगे। पर सम्राट को यह भी देखना होगा की उनकी/पार्टी भी कही भ्रष्टचार में भागीदारी तो नहीं हैं। कारण दोनों ने मिलकर राज्य चलाया हैं।

दूसरी ओर यादव परिवार की जो जाँचे बंद पिटारे में हैं वे कल से न खुलनी शुरू हो जाए। या संभव हैं रात में कारण कल रक्षा बंधन हैं अवकाश होने से किसी को बचाव का अवसर न मिल पाए पर सब शतरंज के खिलाड़ी हैं। दूसरा इतनी मोती चमड़ी के हो जाते हैं की उनके शब्दकोष में भय, बेइज्जती का शब्द नहीं होता। लालू यादव ने क्या खोया ?कुछ नहीं खा पीकर डकार तक नहीं ले रहे। जेल में हो या घर में कोई भी अव्यवस्थ्था नहीं रहती हैं। ये कहलाते हैं जन्म के बाद पुण्य की बदौलत चांदी की चम्मच के साथ पैदा हुए। मोदी जी सोचा रहे होंगे -

ये बात और रही दोस्ती नहीं करते, जो तुमने किया गैर भी नहीं करते।

नीतीश बाबू भूल में न रहना अभी भी तुम्हारे प्राण अलादीन के चिराग में (लेखक- - विद्यावास्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन / ईएमएस) हैं।

ईएमएस / 11 अगस्त 22

दैनिक पंचांग

12 अगस्त 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

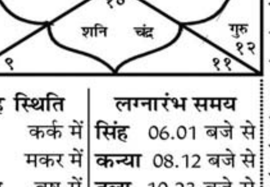

शुक्रवार 2022 वर्ष का 224 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2079 **शक संवत्** 1944 **मास** श्रावण **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पूर्णिमा 07.06 बजे तदनन्तर प्रतिपदा 03.47 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 01.36 बजे रात्र को समाप्त। **योग** सौभाग्य 11.33 बजे को समाप्त। **करण** बव 07.06 बजे, बालव 17.24 बजे तदनन्तर कौलव 03.47 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 14.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 15° 02' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1871338 **जूलियन दिन** 2459803.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1444 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 13 **विशेष** कजलियाँ, वरलक्ष्मी व्रत, नारली पूर्णिमा, गायत्री जयंती, लव कुश जयंती, संस्कृत दिवस।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.01 बजे से
चंद्र	मकर में	कन्या	08.12 बजे से
मंगल	वृष में	तुला	10.23 बजे से
बुध	सिंह में	वृश्चिक	12.38 ब.से
गुरु	मीन में	धनु	14.54 बजे से
शुक्र	कर्क में	मकर	16.59 बजे से
शनि	मकर में	कुंभ	18.46 बजे से
राहु	मेष में	मीन	20.18 बजे से
केतु	तुला में	मेष	21.49 बजे से
राहुकाल		वृष	23.29 बजे से
10.30 से		मिथुन	01.27 बजे से
12.00 बजे तक		कर्क	03.40 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अक्षुण्ण एकता की मिसाल है 'हर घर तिरंगा'

स्वतंत्रता दिवस का त्यौहार आजादी का द्योतक है। भारत में वर्ष 2022 में 76वाँ स्वतन्त्रता दिवस मनाया जा रहा है। यह आजादी की 75वीं वर्षगाँठ है। स्वाधीनता के 75 वर्ष पूरे हो गए। 15 अगस्त 1947 को भारत में प्रथम स्वतंत्रता दिवस मनाया गया था। स्वतंत्रता दिवस 2022 की थीम/विषय है- ठहर घर तिरंगाठ। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत शुरू किया गया एक अभियान ठहर घर तिरंगाठ वर्ष 2022 के स्वतन्त्रता दिवस को ख़ास बनाता है। इस अभियान के तहत 13 अगस्त से 15 अगस्त तक देश भर में 20 करोड़ से अधिक घरों पर तिरंगा झंडा फहराया जाएगा। हर घर तिरंगा अभियान हमारे तिरंगे झंडे के प्रति सम्मान दिखाने के लिए है, जो हमारे राष्ट्र के लिए एक गौरव का प्रतीक है। इंडियन फ्लैग कोड (फ्लैग कोड, 2002) के मुताबिक नेशनल फ्लैग तिरंगा को केवल दिन में ही फहराने की अनुमति थी। शाम होने के साथ ही इसे उतार लिया जाता था। वर्ष 2022 में केंद्र की मोदी सरकार ने हर घर तिरंगा अभियान के लिए फ्लैग कोड के नियमों में बदलाव किया है, जिसके मुताबिक अब दिन और रात दोनों में तिरंगा झंडा फहराया जा सकता है। इसके लिए 20 जुलाई, 2022 को भारतीय झंडा संहिता 2002 में संशोधन किया गया है। फ्लैग कोड में एक और बड़ी तब्दिली करते हुए सरकार ने पॉलिस्टर और मशीन के झंडों को भी मंजूरी दे दी है। इसके पहले केवल हाथ से बनाए गए कपास, ऊन और रेशमी खादी के झंडों को फहराने की अनुमति थी। तिरंगा फहराने को लेकर कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए - 1. किसी भी दूसरे झंडे को नेशनल फ्लैग से ऊंचा या बराबर नहीं फहराया जाना चाहिए। 2. फटा हुआ या गंदा तिरंगा कभी न फहराएं और अगर फहराने के बाद भी यह फट जाए तो इसे उतार लेना चाहिए। 3. तिरंगे को हमेशा पूरे आदर और जोश के साथ फहराया जाता है और धीरे-धीरे उतारा जाता है। इसको कभी जमीन पर स्पर्श नहीं कराना चाहिए। तिरंगा, राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। भारत के राष्ट्रीय ध्वज की ऊपरी पट्टी में केसरिया रंग है जो देश की शक्ति और साहस को दर्शाता है। बीच में स्थित सफेद पट्टी धर्म चक्र के साथ शांति और सत्य का प्रतीक है। निचली हरी पट्टी उर्वरता, वृद्धि और भूमि की पवित्रता को दर्शाती है। राष्ट्रीय ध्वज की सफेद पट्टी के बीच में नीले रंग का अशोक चक्र स्थित होता है। अशोक चक्र की 24 तीलियों से ही मनुष्य के लिए बनाये गए 24 धर्म मार्ग की तुलना की गई है। इसलिए इन्हें मनुष्य के लिए बनाये गए 24 धर्म मार्ग भी कहा जाता है। इन 24 तीलियों का मतलब क्रमशः इस प्रकार है- संयम, आरोग्य, शांति, त्याग, शील, सेवा, क्षमा, प्रेम, मैत्री, बन्धुत्व, संगठन, कल्याण, समृद्धि, उद्योग, सुरक्षा, नियम, समता, अर्थ, नीति, न्याय, सहकार्य, कर्तव्य, अधिकार, बुद्धिमत्ता। किसी भी राष्ट्र का ध्वज उस राष्ट्र की अभिव्यक्ति का आधार होता है। राष्ट्रीय ध्वज की परिकल्पना बिना राष्ट्र के संभव नहीं है। राष्ट्रीय ध्वज को समझना है तो पहले राष्ट्र को समझना होगा। राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्र एक दूसरे के पूरक हैं। 'राष्ट्र' शब्द अंग्रेजी के शब्द 'नेशन' का एक अनुवाद है। 'नेशन' शब्द लैटिन भाषा के 'नेशीऊ' शब्द से लिया गया है। लैटिन में, 'नेशीऊ' शब्द का अर्थ जन्म या जाती है। राष्ट्र, भूमि का टुकड़ा नहीं होता है। राष्ट्र बहुत से लोगों का समूह होता है। वह समूह जिसमे सभी लोग एक केंद्र बिंदु को अपना मानकर आपस में एक जुड़ाव महसूस करते हैं। देश के बाहर रहने वाले लोगों का जुड़ाव यदि इस केंद्र बिंदु से है तो ये लोग भी राष्ट्र के दायरे में आएँगे। कहने का तात्पर्य यह है कि दुनिया में कोई व्यक्ति चाहे किसी भी देश में रहता हो यदि वो किसी एक केंद्र बिंदु के आधार पर अपने लोगों से जुड़ाव महसूस करता है तो वो अपने राष्ट्र का हिस्सा है। केंद्र बिंदु धर्म के आधार पर जुड़ाव वाला हो सकता है। ऐतिहासिक आधार पर जुड़ाव वाला हो सकता है। भौगोलिक स्थिति के आधार पर जुड़ाव वाला हो सकता है। भारतीय संस्कृति के आधार पर जुड़ाव वाला हो सकता है। भाषा भी केंद्र बिंदु के स्थान पर हो सकती है अर्थात समान भाषा बोलने वाले लोग भी जुड़ाव का कारण हो सकते हैं। जब जनों का समूह एक केंद्र बिंदु को केंद्र में रखते हुए उसके आधार पर आपस में जुड़ाव महसूस करता है तो उसे ही राष्ट्र कहा जाता है। राष्ट्र एक सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक, धार्मिक, ऐतिहासिक या किसी भी अन्य केंद्र बिंदु के आधार पर स्थापित लोगों के बीच के सम्बन्ध से बने एक जनसमूह को कहा जाता है। इस तथ्य के साथ यह भी जरुरी है कि यहाँ पर जो केंद्र बिंदु है वह उन सभी लोगों को एकजुट रहने हेतु बाध्य करता हो। भारत एक राष्ट्र है। राष्ट्र एक भावनात्मक इकाई है। जो लोगों को उनके मन से जोड़ती है। भारत के लोग मनोवैज्ञानिक रूप से आपस में जुड़े हुए हैं। उनके मन जुड़े हुए हैं। मन से जुड़े हुए लोग ही राष्ट्र का निर्माण करते हैं। राष्ट्र का दायरा असीमित होता है। राष्ट्र को सीमाओं में नहीं बाँधा जा सकता है। राष्ट्र विशाल होता है। जबकि देश सीमाओं से बंधा होता है। अतएव देश का दायरा सीमित होता है। राष्ट्र जीवंत इकाई है। राष्ट्र सार्वभौमिक है। जबकि देश एक भौगोलिक इकाई है। राष्ट्रीय चेतना का जन्म अक्षुण्ण एकता से ही होता है। राष्ट्रीय चेतना ही राष्ट्र की अभिव्यक्ति का आधार है। अक्षुण्ण एकता की मिसाल है तिरंगा। तिरंगा जनसमूहों को एक धागे में पिरोए रहता है। तिरंगा एकता एवं अखंडता का प्रतीक है। एकता एवं अखण्डता से राष्ट्रीय चेतना का जन्म होता है। अतएव हम कह सकते हैं कि तिरंगा राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। आजादी के अमृत महोत्सव में ' 'हर घर तिरंगा'' अक्षुण्ण एकता की मिसाल है।

(लेखक- डॉ. शंकर सुवन सिंह / ईएमएस) वरिष्ठ स्तम्भकार एवं विचारक असिस्टेंट प्रोफेसर एवं प्लेसमेंट इंचार्ज शुएट्स, नैनी, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)

सारे जहां से अच्छा तिरंगा हमारा.....।

भारत की शान तिरंगा हमें अपने प्राणों से भी प्यारा हैइस तिरंगे के लिए हम भारतीय हंसते हंसते अपने प्राणों का बलिदान दे देते हैआजादी के अमृत महोत्सव के समापन पर इस बार के स्वाधीनता पर्व को तिरंगे के प्रति समर्पित किया जा रहा हैभाजपा घर घर तिरंगा अभियान चला रही है तो कांग्रेस तिरंगा यात्रा के माध्यम से राष्ट्र भक्ति का पैगाम घर घर पहुंचा रही हैतिरंगे का इतिहास भी निराला हैतिरंगा यानि भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को इसके वर्तमान स्वरूप में 22 जुलाई सन1947 को आयोजित भारतीय संविधान सभा की बैठक के दौरान अपनाया गया थाइस तिरंगे को 15 अगस्त सन1947 और 26 जनवरी सन1950 के बीच भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया गया था। तिरंगे का डिजाइन आंध्रप्रदेश के पिंगली वैंकैया ने बनाया थाराष्ट्र ध्वज तीन रंगों से मिलकर बना है- जिसमें केसरिया, सफेद और हरे रंग हैवर्तमान के राष्ट्रीय ध्वज से पहले भी कई राष्ट्र ध्वज बन चुके हैं। सन 1921 में पिंगली वेंकैया ने केसरिया और हरा झंडा बनाया था। फिर जालंधर के लाला हंसराज ने इसमें चर्खा जोड़ा और गांधीजी ने सफेद पट्टी जोड़ने का सुझाव दिया थासबसे पहले लाल, पीले और हरे रंग की हॉरिजॉन्टल पट्टियों पर बने झंडे को 7 अगस्त सन 1906 को पारसी बागान चौक (ग्रीन पार्क), कोलकाता में फहराया गया थाउंक्त ध्वज फैहराते समय गाए गए वंदे मातरम में हजारों की भीड़ जुटी थीदूसरे ध्वज को सन1907 में पेरिस में मैडम कामा और उनके साथ निकाले किए गए कुछ क्रांतिकारियों ने फहराया गया था। यह पहले ध्वज की तरह ही था। इसमें सबसे ऊपर बनी पट्टी पर सात तारे सप्तऋषि को दर्शाते थे जबकि एक कमल था।

तीसरा ध्वज सन 1917 में डॉ. एनी बीसेंट और लोकमान्य तिलक ने घरेलू शासन आंदोलन के दौरान इसे फहरायाइस ध्वज में 5 लाल और 4 हरी क्षैतिज पट्टियां एक के बाद एक और सप्तऋषि के स्वरूप में इस पर बने सात सितारे थेबाईं ओर ऊपरी किनारे पर यूनियन जैक था और दाईं तरफ ऊपरी किनारे पर सफेद अर्धचंद्र और सितारा बना थाचौथा ध्वज अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सत्र के दौरान सन 1921 में बेजवाड़ा में फहराया गया था। यह दो रंगों लाल और हरे से बना था जो हिंदू और मुस्लिम दोनों समदायों को दर्शाता थागांधी जी ने यह सुझाव दिया था कि भारत के बाकी का प्रतिनिधित्व करने के लिए इसमें एक सफेद पट्टी और एक चलता हुआ चरखा होना चाहिए।

पांचवा ध्वज सन1931 में फहराया गयायह ध्वज भारतीय राष्ट्रीय सेना का संग्राम चिन्ह भी थालेकिन अंततः 22 जुलाई सन 1947 को आया केसरिया, सफेद और हरा रंग का झंडा अपनाया। इसके बीचों बीच अशोक चक्र भी बना है, जिसमें 24 तिल्लियां होती हैं। तिरंगे को इंडियन नेशनल कांग्रेस ने भारत के स्वतंत्र होने से कुछ समय पहले ही अपना लिया थायानि हम कह सकते है कि मौजूदा तिरंगा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की देन हैजिसके प्रति पूरा देश श्रद्धा भाव रखता है। ठविजयी विश्व तिरंगा प्यारा

झंडा ऊंचा रहे हमारा''श्यामलाल गुप्त 'पार्षद' द्वारा रचित इस लोकप्रिय गीत का सौंदर्यशास्त्र तिरंगे पर ही आधारित है। परंतु इस तिरंगे के अंतिम स्वरूप के उद्भव की कहानी भी अत्यंत रोचक कही जा सकती है। सन 1857 की क्रांति के बाद, भारत पर अपने औपनिवेशिक शासन की प्रतीकात्मक पुष्टि करने हेतु, अंग्रेजों ने एक ध्वज का निर्माण किया था। पश्चिमी प्रारूप पर आधारित इस ध्वज के बाएं कोने पर जहां ब्रिटिश हुकूमत का चिन्ह 'यूनियन जैक' था वहीं दाएं हिस्से में 'स्टार ऑफ इंडिया' स्थित थाभारत में प्रथम राष्ट्रीय ध्वज निर्माण करने का श्रेय स्वामी विवेकानंद की आयरिश अनुयायी सिस्टर निवेदिता को जाता हैसन 1904 में उनके द्वारा बनाए गए ध्वज को 'निवेदिता फ्लैग' भी कहा जाता है। मूलतः लाल रंग के ध्वज में पीले रंग का बॉर्डर था। इसके बीचो बीच भगवान इंद्र के अस्त्र -'वज्र' और 'कमल' एक संयुक्त चिन्ह स्थित था। इस ध्वज में लाल रंग संघर्ष का प्रतीक था, पीला रंग विजय का, वज्र शौर्य और पराक्रम का, और कमल शुचिता का। इसके बीचो-बीच बांग्ला में वंदे मातरम लिखा हुआ था।7 अगस्त, सन1906 को कोलकाता के ग्रीन पार्क में फहराये गए राष्ट्रीय ध्वज के प्रारूप में लाल, पीले और हरे रंगों की तीन पट्टियां थीं। माना जाता है कि इस ध्वज का डिजाइन स्वतंत्रता सेनानी सचिंद्र प्रसाद बोस और हेमचंद्र कानूनगो ने किया थायह ध्वज 'लोटस फ्लैग' या 'कोलकाता फ्लैग' के नाम से प्रसिद्ध हुआ। इस ध्वज में बीचोबीच स्थित पीली पट्टी पर वंदे मातरम लिखा हुआ था। इसके अतिरिक्त इस ध्वज में, एक सूर्य, एक अर्धचंद्र, कमल के 8 पुष्पों का प्रयोग किया गया था।

इसी ध्वज का एक संशोधित संस्करण सन 1907 में सामने आया था। जो मैडम भीकाजी कामा और उनके सहयोगी क्रांतिकारियों के संयुक्त प्रयास से तैयार किया गया। यह ध्वज 22 अगस्त सन1907 को जर्मनी के स्टुटगार्ड में फहराया गया। किसी विदेशी धरती पर फहराया गया यह भारत का पहला ध्वज था। इस ध्वज के एक अन्य संशोधित संस्करण में एक कमल और 7 तारकों का प्रयोग किया गया था। यह सात 'तारे' सप्तऋषि का प्रतीक थेसन1916 में मद्रास हाई कोर्ट के आर्थिक सहयोग से पिंगाली वेंकैया ने एक बुकलेट तैयार की जिसमें राष्ट्रीय ध्वज के 30 नमूने शामिल थे। इसके पश्चात सन1917 में होम रूल मूवमेंट के दौरान बाल गंगाधर तिलक और अनी बेसेंट ने एक नए राष्ट्रीय ध्वज का अनावरण किया। इसमें चार हरी और पांच लाल पट्टियां थीं। इस के दाएं हिस्से में अर्धचंद्र और एक तारा स्थित था तो वही बाएं हिस्से में ऊपर की तरफ अंग्रेजी यूनियन जैक मौजूद था। इसके अतिरिक्त सप्तऋषि के प्रतीक के रूप में 7 तारकों का भी प्रयोग किया गया था। यह वह पहला ध्वज था, जिस के प्रयोग पर अंग्रेजी हुकूमत द्वारा प्रतिबंध लगाया गया। प्रतिबंध लगने के बाद देशभर में व्यापक स्तर पर राष्ट्रीय ध्वज के महत्व की चर्चाएं होने लगीं। सन1920 में लीग ऑफ नेशंस में भारतीय प्रतिनिधि मंडल द्वारा एक ध्वज के प्रयोग पर भी ज़ोर दिया गया थासन 1921 में गांधीजी ने अपनी पत्रिका 'यंग इंडिया' के एक लेख में राष्ट्रीय ध्वज के विचार पर देते हुए ऐसे ध्वज का सुझाव प्रस्तुत किया जिसके बीच में चरखा हो। ध्वज में चरखे का विचार पहली बार लाला हंसराज द्वारा रखा गया था। इस सुझाव पर कार्य करने हेतु गांधी ने पिंगाली वेंकैया से आग्रह किया।

'गाँधी ध्वज' की इस संकल्पना में मूल रूप से दो ही रंग थे – लाल और हरा। धार्मिक संवेदनशीलता का संज्ञान लेते हुए इसमें अन्य सभी धर्मों को समाहित करने हेतु लाल और हरे के अतिरिक्त एक सफेद पट्टी का सुझाव रखा गया। बाद में राष्ट्रीय ध्वज की संकल्पना को धार्मिक बहस से मुक्त करने हेतु गांधी ने रंगों की प्रतीकात्मकता को सत्य, शांति, शौर्य, पराक्रम जैसे व्यापक मूल्यों से जोड़ दिया।

13 अप्रैल सन 1923 को कांग्रेस की नागपुर कमेटी के कार्यकर्ताओं ने जलियांवाला बाग घटना से संबंधित एक कार्यक्रम में इस ध्वज का प्रयोग किया। इस प्रयोग पर पुलिसिया कार्रवाई में 5 कांग्रेस सदस्यों को हिरासत में लिया गया। कार्रवाई के विरोध में जमुना लाल बजाज ने मई में ध्वज सत्याग्रह का आगाज किया। जुलाई सन1923 में कांग्रेस की एक बैठक में सरोजिनी नायडू और नेहरू के आग्रह पर ध्वज सत्याग्रह को व्यापक समर्थन देने की मांग हुई। समर्थन दिया भी गया और आंदोलन के अंत तक लगभग 1500 से अधिक स्वतंत्रता सेनानियों को जेल का रुख़ भी करना पड़ा था। सन 1931 में कांग्रेस ने कराची अधिवेशन में स्वराज ध्वज को अपनाया। पिंगाली वेंकैया द्वारा निर्मित इस ध्वज में ऊपरी पट्टी के रंग को लाल की जगह केसरिया रखा गया जो कि शौर्य और साहस का प्रतीक था। सबसे निचली पट्टी हरे रंग की थी और बीच में सफेद रंग की पट्टी पर चरखे का चिन्ह बना हुआ था।

कालांतर में राष्ट्रीय ध्वज के इसी संस्करण में, चरखे की जगह 24 तीलियों वाले अशोक चक्र (धर्म चक्र) ने ली। इसी परिवर्तन के साथ, राष्ट्रीय ध्वज के इस स्वरूप को 22 जुलाई सन 1947 को संविधान सभा की एक बैठक में भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया गया।

इस नवीनतम राष्ट्रीय ध्वज में केसरिया रंग जहां अपनी प्रतीकात्मकता में शौर्य और साहस को समेटे हुए है,वहीं हरा रंग समृद्धि एवं प्रगति को और सफेद रंग शांति और सत्य को। अशोक चक्र एक धर्म चक्र के प्रतीक के रूप में स्थापित हुआ।

हालांकि इस बात को लेकर बहस बनी हुई है कि राष्ट्रीय ध्वज पर चरखे के स्थान पर धर्म चक्र का सुझाव किसने दिया। इस विचार के जनक के रूप में बदरुद्दीन और सुरैया तैयब का नाम सामने आता रहा है परंतु इस पर अभी एक आम राय नहीं बन पाई है।

2 अगस्त सन1876 को आंध्र प्रदेश के मौसोलीपटनम में जन्मे पिंगाली वेंकैया की लेखन, कृषि, भूगर्भ विज्ञान में विशेष रुचि रही। दक्षिण अफ्रीका में अंग्रेजी सेना की तरफ से एंग्लो बोयर युद्ध में तैनाती के दौरान 19 वर्षीय पिंगाली वेंकैया की भेंट गांधी से हुई। गांधी के व्यक्तित्व और विचारधारा से प्रभावित होकर गांधी के पीछे पीछे वह भी भारत लौट आये और अपने अंतिम क्षणों तक स्वयं को भारतीय भूमि की सेवा में समर्पित किया। सन 2009 में पिंगाली वेंकैया पर एक डाक टिकट भी जारी हुआ और 2014 में उन्हें भारत रत्न देने की अनुशंसा भी की गई। यह प्रस्ताव अभी तक भारत सरकार के पास लंबित है। परंतु राष्ट्रीय ध्वज के चित्रकार पिंगाली वेंकैया अपने योगदान के कारण भारतीयता की संकल्पना का एक अभिन्न अंग बन गए हैंजिस पर पूरा देश गर्व करता है। (लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन / ईएमएस) (लेखक अमर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स के भांजे है)

आज का इतिहास 12 अगस्त

1602 सलीम मिर्जा के उकसावे पर अकबर के दरबारी अबूफजल की हत्या हुई.
1687 आस्ट्रिया और हंगरी की फौजों ने तुर्की को शिकस्त दी.
1759 रूस और आस्ट्रिया ने प्रसिया को कुनर्सडोर्फ में हराया.
1765 बंगाल बिहार और उड़ीसा की दीवानी मुगलों ने ईस्ट इंडिया कंपनी को सौंप दी.
1813 आस्ट्रिया ने नेपोलियन के खिलाफ जंग का ऐलान किया.
1877 ब्रिटिश खोजी सर हेनरी मार्टन स्टैनली कांगो नदी के मुहाने पर पहुंचे.
1898 स्पेन अमरीकी युद्ध समाप्त हुआ .
1914 ब्रिटेन ने आस्ट्रिया हंगरी के खिलाफ जंग का ऐलान किया.
1919 प्रसिद्ध वैग्यानिक विक्रम अम्बालाल साराभाई का जन्म.
1922 आयरिश गणराज्य के प्रथम राष्ट्रपति आर्थर ग्रिफिथ का निधन.
1955 जर्मन उपन्यासकार टामस मान का निधन.
1960 प्रथम संचार उपग्रह इको प्रथम का प्रक्षेपण हुआ.
1978 चीन और जापान के बीच शांति और मैत्री संधि हुई.
1983 फाकलैंड युद्ध के दौरान जब्त ब्रिटिश संपत्ति को अर्जेन्टीना ने मुक्त कर दिया.
1985 जापानी विमान दुर्घटना में 524 यात्री मारे गए.
1998 प्रसिद्ध गायिका शमशाद बेगम का निधन.
2000 रूस की परमाणुचालित पन्डुब्बी कुर्स्क डूब गई.
2003 नासिक में गोदावरी नदी के कुसावर्त तीर्थ में सिंहस्थ मेले का पहला शाही स्नान शुरु.
2007 मोहम्मद हामिद अंसारी नए उपराष्ट्रपति बने

शब्द पहेली - 7375

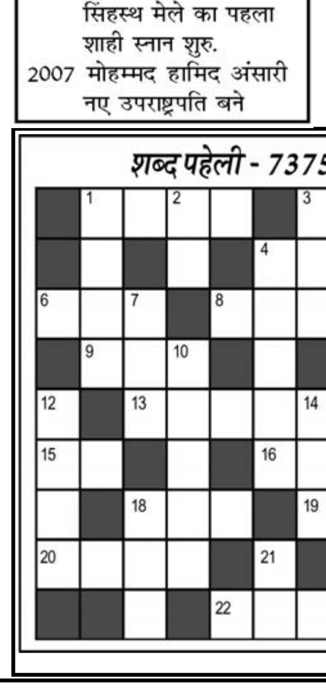

बाएँ से दाएँ

1. जंगल की आग-4
4. अयोग्य,नालायक-4
6. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
8. तैयार होना-3
9. जीभ,जिव्हा-3
11. पाश,फंदा, -2
13. नामकरण करना-2,3
15. मेरा(सं.-2)
16. खाद्य सामग्री-3
18. तहत-3
19. कक्ष,रूम-3
20. भरोसा,विश्वास-4
22. सचेत,होशियार-4

ऊपर से नीचे

1. दागी,धब्बेवाला-4
2. गीलापन,तर होना-2
3. दुनिया,जगत-3
4. अदा,हाव-भाव-5
5. भरा हुआ-4
7. टपकना,गिरना-3
10. नाम रखना-5
12. एकमत-4
14. भक्षक,विनाशकारी-3
17. खारा,क्षारीय-4
18. वन,जंगल-3
21. लाश,मुर्दा,मृतक-4

शब्द पहेली -7374 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

पहले ही टी20 में वेस्टइंडीज हारा

सबीना पार्क (ईएमएस)। वेस्टइंडीज को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के पहले ही मैच में 14 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इस प्रकार कीवी टीम ने तीन मैचों की इस सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में वेस्टइंडीज के कप्तान निकोलस पूरन ने टॉस जीतकर न्यूजीलैंड टीम को पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया था। कीवी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवरों में पांच विकेट के नुकसान पर 185 रन बनाये। कप्तान केन विलियमसन ने 33 गेंद में चार चौके एवं दो छक्के की मदद से 47 रन बनाये। इसके अलावा डेवोन कॉनवे ने 29 गेंद में 43 और जेम्स नीशम ने 15 गेंद में नाबाद 33 रन बनाये।

इसके बाद 186 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम निर्धारित ओवरों में सात विकेट के नुकसान पर 172 रन ही बना पायी। वेस्टइंडीज की ओर से शमर ब्रूक्स ने 42 रन बनाये। इसके बाद भी वह टीम को जीत दिलाने में विफल रहे। कीवी टीम की ओर से मिशेल सेंटनर ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। इस मैच में वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायर ने सीमारेखा के पास एक शानदार कैच पकड़कर सकका ध्यान खींचा है। वेस्टइंडीज की ओर से आठवां ओवर ओडियन स्मिथ ने किया। इस ओवर की तीसरी गेंद पर ही कीवी बल्लेबाज मार्टिन गप्टिल ने बड़ा शॉट लगाया पर सीमारेखा के पास क्षेत्ररक्षण कर रहे हेटमायर ने एक बेहतरीन कैच पकड़कर सबका ध्यान खींचा।

रिलायंस ने यूएई और केपटाउन में टीमें खरीदीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। मुंबई इंडियंस का मालिकाना अधिकार रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज ने यूएई की अंतरराष्ट्रीय लीग टी20 में 'एमआई एमिरेट्स' और क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका टी20 लीग की टीम 'एमआई केप टाउन' टीम को खरीदा है। एकसे में अब रिलायंस इंडस्ट्री के पास कुल तीन टी20 टीमें हो गई हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज की डायरेक्टर श्रीमती नीता एम. अंबानी ने कहा कि 'श्ध एमिरेट्स' और 'श्ध केप टाउन' का स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। ये हमारे परिवार में नये हैं। हमारे लिए मुम्बई इंडियंस क्रिकेट से कहीं आगे हैं। यह सपने देखने, निडर होने और जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने की क्षमता दिखाता है। मुझे भारोसा है कि एमिरेट्स और केप टाउन दोनों एक ही व्यवहार को अपनाएंगे और टीम की वैश्विक क्रिकेट विरासत को और आगे ले जाएंगे।

'एमआई एमिरेट्स' और 'एमआई केप टाउन' नामों को चुना गया, क्योंकि वे उन विशिष्ट क्षेत्रों के हैं, जहां से ये टीमें खेलेंगी। दोनों नई टीमें मुंबई इंडियंस की पहचान लिए हुए हैं, लेकिन साथ ही इनमें स्थानीय प्रभाव भी दिखाई देता है।

विश्व कप के लिए वेस्टइंडीज को नहीं मिल रहे अनुभवी खिलाड़ी

पोर्ट ऑफ स्पेन (ईएमएस)। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के मुख्य कोच फिल सिमन्स ने कहा है कि बोर्ड को आगामी टी20 विश्वकप के लिए अनुभवी खिलाड़ी नहीं मिल रहे हैं। सिमन्स ने इस बात पर दुख जताया कि अधिकतर खिलाड़ी अभी फ्रेंचाइजी लीग में व्यस्त हैं। उन्होंने इस बात पर निराश जतायी कि देश की ओर से खेलने की जगह क्रिकेटर लीग मुकाबले खेलने को वरीयता दे रहे हैं। वेस्टइंडीज के अधिकतर क्रिकेटर या तो फ्रेंचाइजी लीग में खेल रहे हैं या फिर चोटिल हैं जिससे क्रिकेट बोर्ड को आगामी टी20 विश्व कप के लिए सर्वश्रेष्ठ टीम चुनने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

सिमन्स ने कहा , 'इससे निराशा होती है। इस परेशानी का कोई और तरीका नहीं है पर क्या किया जा सकता है। मुझे नहीं लगता कि मुझे लोगों से अपने देशों से खेलने के लिए निवेदन करना चाहिए। मुझे लगता है कि अगर आप वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व करना चाहते हो तो आप स्वयं उपलब्ध रहेंगे।'

उन्होंने कहा, 'जिंदगी बदल गई है, अब लोगों के पास अलग-अलग जगहों पर जाने के मौके हैं और अगर वे वेस्टइंडीज के बजाय उसे चुनते हैं तो यह स्थिति ऐसी ही है।' अनुपस्थित खिलाड़ियों की सूची काफी लंबी है। आंद्रे रसेल ने स्वयं को चयन के लिए उपलब्ध नहीं कराया है क्योंकि यह स्टार ऑलराउंडर सुनील नरेन के साथ इस समय 'द हंड्रेड' में खेल रहा है। एविन लुईस और ओशाने थॉमस भी फिटनेस टेस्ट के लिए नहीं आए जबकि शेल्डन कॉटरेल, फैबियन एलन और रोस्टन चेस चोट के कारण बाहर हैं। वहीं मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेन्स ने कहा कि हर खिलाड़ी को देश की ओर से खेलने के लिए तैयार रहना चाहिये।

राष्ट्रमण्डल खेलों से पाकिस्तान के दो मुक्केबाज गायब

कराची (ईएमएस)। राष्ट्रमण्डल खेलों के लिए बर्मिंधम गये पाकिस्तान के दो मुक्केबाज लापता हो गये हैं। खेल समाप्त होने के बाद से ही इनकी कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है। पाक मुक्केबाजी महासंघ (पीबीएफ) के सचिव नासिर तांग ने माना है कि मुक्केबाज सुलेमान बलूच और नजीरुल्लाह टीम के इस्लामाबाद रवाना होने से कुछ घंटे पहले ही रहस्यमय तरीके से गायब हो गए। राष्ट्रमंडल खेल अभी तीन दिन पहले ही समाप्त हुए थे। तांग ने कहा, ''उनके पासपोर्ट सहित यात्रा दस्तावेज अभी भी महासंघ के ही अधिकारियों के पास हैं।'' उन्होंने कहा कि टीम प्रबंधन ने ब्रिटेन में पाक उच्चायोग और लंदन में संबंधित अधिकारियों को सुलेमान और नजीरुल्लाह के लापता होने के बारे में जानकारी दे दी है। तांग ने कहा कि लापता मुक्केबाजों के दस्तावेज पाक से आने वाले सभी खिलाड़ियों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार ही रखे गए थे।

वहीं पाक ओलंपिक संघ (पीओए) ने लापता मुक्केबाजों के मामले की जांच के लिए चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। इससे पहले फिना विश्व चैंपियनशिप में भी पाक टीम राष्ट्रमंडल खेलों की मुक्केबाजी प्रतियोगिता में कोई भी पदक नहीं जीत पायी है हालांकि उसे भारोत्तोलन और भाला फेंक में दो स्वर्ण सहित कुल आठ पदक मिले हैं। मुक्केबाजों के लापता होने की यह कोई पहली घटना नहीं है इससे पहले हंगरी में विश्व फिना चैम्पियनशिप से राष्ट्रीय तैराक फैजान अकबर गायब हो गये थे।

रोहित एक साल में सबसे ज्यादा जीत के मामले में नंबर एक पर पहुंचे

नई दिल्ली (ईएमएस)। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी संभालते ही टीम में एक नया जोश भर दिया है। इस से टीम लगातार जीत हासिल करती जा रही है। रोहित ने साल 2017 से अबतक 35 मुकाबलों में भारतीय टीम की कप्तानी की है। इसमें टीम को 29 मुकाबलों में जीत मिली है जबकि केवल छह मुकाबलों में उसे हार का सामना करना पड़ा। एक साल के रिकार्ड की बात करें तो पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ने एक साल में 15 मुकाबले जीते हैं जबकि विराट कोहली की कप्तानी में उसने 14 जीत दर्ज की है। रोहित की कप्तानी में उसे 16 मुकाबलों में जीत मिली है।

रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम का टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जीत प्रतिशत 82.85 है। भारतीय टीम की टी20 क्रिकेट में धोनी ने सर्वाधिक मुकाबलों में अगुवाई की है। इस दौरान टीम को सर्वाधिक मुकाबलों में जीत मिली। इसके बाद विराट का नाम आता है। कोहली की अगुवाई में भारतीय टीम ने 2017 से 2021 के बीच 50 मुकाबले खेले हैं। इस दौरान उसे 30 मुकाबलों में जीत मिली।

आंकड़ों में पाक खिलाड़ियों पर भारी है भारतीय टीम

मुम्बई (ईएमएस)। 28 अगस्त को दुबई में होने वाले भारत और पाकिस्तान के मुकाबले पर सभी की नजरें लगी हैं। इस मैच का सभी दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। इस मैच में भारतीय टीम पिछले साल टी20 विश्व कप में पाक के हाथों मिली हार का हिसाब बराबर करना चाहेगी। वहीं पाक टीम भी जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। एशिया कप के लिए दोनो ही देशों ने अपनी अपनी 15-15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। दोनो ही टीमों के पास स्टार खिलाड़ी हैं। भारतीय टीम के पास रोहित शर्मा जैसा अनुभवी बल्लेबाज है। रोहित ने सबसे अधिक 132 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं जबकि अन्य कोई खिलाड़ी 100 मैच तक भी नहीं पहुंच पाये हैं। भारत के 15 खिलाड़ियों ने टी20 में 12530 रन बनाए हैं। इसमें कप्तान रोहित के नाम सबसे अधिक रन हैं। रोहित ने 4 शतक की सहायता से 3487 रन बनाये हैं। वहीं भारतीय गेंदबाजों ने 356 विकेट लिए हैं। स्पिनर युजवेंद्र चहल ने सबसे ज्यादा 79 विकेट लिए हैं।

वहीं दूसरी ओर पाक के 15 खिलाड़ियों ने 486 टी20 मैच खेले हैं। कप्तान बाबर आजम ने सबसे अधिक 74 मैच खेले हैं। टीम के 15 खिलाड़ियों ने मिलकर 7491 रन बनाए हैं। बाबर के नाम सबसे अधिक 2686 रन हैं। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने 242 विकेट लिए हैं। लेग स्पिनर शादाब खान के नाम सबसे अधिक 73 टी20 विकेट हैं। इन आंकड़ों में भारतीय खिलाड़ी पाक खिलाड़ियों पर भारी नजर आ रहे है पर अगर वर्तमान हालात देखें तो पाक टीम कहीं से कमजोर नहीं है। उसके बल्लेबाजों ओर गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। कप्तान बाबर आजम अच्छी लय में हैं जबकि गेंदबाजी की बात करें तो टीम के पास शाइन अफरीदी जैसा तेज गेंदबाज है।

ताइवान को डरा रहे चीन पर नकेल कसने की तैयारी, ताइवान स्ट्रेट से गुजरेगा नौसेना का सातवां बेड़ा

ताइपे (ईएमएस)। अमेरिकी संसद की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की यात्रा के बाद ताइवान को डराने में जुटे चीनी ड्रैगन पर नकेल कसने की तैयारी तेज हो गई है। अमेरिकी सरकार ने ऐलान किया है कि नौसेना का सातवां बेड़ा जल्द ही ताइवान स्ट्रेट से गुजरने जा रहा है। इसी ताइवान स्ट्रेट को चीन ने पूरी तरह से अपने कब्जे में ले रखा है। यही नहीं ताइवान की मानें तो अब चीन की कोशिश है कि ताइवान स्ट्रेट, पूर्वी चीन सागर और दक्षिण चीन सागर को अपने कब्जे में कर लिया जाए।

अमेरिकी नौसैनिक संस्थान ने बताया कि आने वाले समय में अमेरिका अपने युद्धपोतों को ताइवान जलडमरू मध्य से भेजेगा। इससे पहले सोमवार को अमेरिका के रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने पुष्टि की है कि अमेरिका एक और 'नौवहन की स्वतंत्रता का अभ्यास करेगा। अमेरिकी रक्षा नीति मामलों के उप मंत्री कोलिन कहल ने कहा, हम आने वाले सप्ताह में ताइवान स्ट्रेट से गुजरना जारी रखने वाले हैं, जैसाकि हमने पहले भी किया है। हम इस इलाके के हर क्षेत्र में नौवहन की स्वतंत्रता का अभ्यास करने वाले हैं।

अमेरिका ने परमाणु ताकत से लैस एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस रोनाल्ड रीगन के नेतृत्व में एक कैरियर स्ट्राइक ग्रुप ताइवान की सीमा के पास तैनात किया है। इसके साथ ही साथ जोरदार हमला करने में सक्षम युद्धपोत यूएसएस त्रिपोली भी वहां पर मौजूद है। इतना ही नहीं एक और अमेरिकी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप यूएसएस अमेरिका के नेतृत्व में जापान के सासेबो में तैनात है। हाल के दिनों में चीन की बढ़ती दादागिरी को देखकर अमेरिका ने दक्षिण चीन सागर में अपनी उपस्थिति को बढ़ा दिया है।

हालांकि इससे पहले इतने तनावपूर्ण माहौल में कभी भी अमेरिकी युद्धपोत चीन की नाक के नीचे से नहीं गुजरे हैं। इन अमेरिकी युद्धपोतों को चीन के जंगी जहाजों की चेतावनी के बीच गुजरना होगा। चीन की सेना ने ताइवान स्ट्रेट में अपने युद्धाभ्यास को अनिश्चित काल के लिए बढ़ा दिया है। चीन अब एंटी सबमरीन और जंगी जहाजों को तबाह करने का अभ्यास कर रहा है। ताइवान के आसपास चीन के दो एयरक्राफ्ट कैरियर भी गश्त लगा रहे हैं।

कोरोना से मौतों की संख्या में आई 9 फीसदी कमी? डब्ल्युएचओ की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

लंदन(ईएमएस)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्युएचओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले हफ्ते कोरोना से होने वाली मौतों की संख्या में 9 फीसदी की गिरावट आई है, जबकि नए मामले अपेक्षाकृत स्थिर रहे हैं। डब्ल्यूएचओ की एक रिपोर्ट के मुताबिक बीते सप्ताह के दौरान कोरोना के कारण 14 हजार से अधिक मरीजों की मौत हुई, जबकि कोरोना संक्रमण के करीब 70 लाख नए मामले सामने आए। पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में संक्रमण के नए मामलों में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि अफ्रीका में नए मामलों में 46 प्रतिशत की कमी देखी गयी।

अमेरिका और पश्चिम एशिया में संक्रमण के नए मामलों में 20 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गयी। पश्चिम एशिया में संक्रमण के कारण होने वाली मौतों में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी, जबकि अफ्रीका में मृतकों की संख्या में 70 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गयी। यूरोप और अमेरिका में संक्रमण के कारण जान गंवाने वाले लोगों की संख्या में क्रमशः 15 प्रतिशत और 10 प्रतिशत की कमी दर्ज की गयी।

ईरान ने पूर्व एनएसए और पोम्पिओ को मारने षड़यंत्र रचा, जिसे सुपारी दी उसने एफबीआई को बताया

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी न्याय विभाग ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के एक सदस्य के खिलाफ पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन की हत्या की साजिश रचने के लिए आपराधिक आरोपों की घोषणा की। बोल्टन ने ट्रम्प और बुश प्रशासन के दौरान वरिष्ठ पदों पर काम किया था। मीडिया से आ रही खबर के मुताबिक न्याय विभाग ने कहा कि ये कथित साजिश जनवरी 2020 के अमेरिकी हवाई हमले के लिए 'प्रतिशोध' लेने के लिए रची गई थी, जिसमें इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के कमांडर कासिम सुलेमानी की मौत हो गई थी। हमले के बाद आतंकवादी संगठन के नेताओं ने सुलेमानी की मौत के लिए अमेरिकियों के खिलाफ बदला लेने की कसम खाई थी और सार्वजनिक रूप से तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनके प्रशासन में अन्य उच्च पदस्थ अधिकारियों के खिलाफ जमकर बरसे थे।

अभियोजकों ने कहा कि 45 वर्षीय ईरानी नागरिक और आईआरजीसी सदस्य शाहराम पोरसाफी ने बोल्टन को मारने के लिए अमेरिका में एक शख्स को 300,000 डॉलर का भुगतान करने की कोशिश की और कहा कि उसके पास 10 लाख डॉलर का एक दूसरा काम भी था। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक स्त्रोत और पोम्पिओ के करीबी के अनुसार पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ की भी हत्या की साजिश रची जा रही थी।

पोम्पिओ के करीबी सूत्र ने कहा कि 'दूसरा काम' पोम्पेओ की हत्या का था। पोम्पिओ ने सुलेमानी पर हुए हवाई हमले के समय राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रम्प की सरकार में विदेश मंत्री के रूप में कार्य किया था। पोम्पिओ के करीबी सूत्र ने बताया कि उन्हें पिछले बुधवार को सीधे न्याय विभाग ने ही बताया था कि पोम्पिओ ईरान के आईआरजीसी द्वारा रची गई हत्या की साजिश का दूसरा लक्ष्य थे।

नेपाल के लिए गले की हडडी बने चीन के विमान, एयरपोर्ट पर खड़े खा रहे धूल

काठमांडू (ईएमएस)। भारत के पड़ोसी देश नेपाल ने बड़ी उम्मीदों से चीन के विमानों को खरीदा था। नेपाल को उम्मीद थी कि इन्हें संचालित करके वह संकटों से गुजर रही नेपाल एयरलाइंस कॉर्पोरेशन के लिए लाभ कमा सकती है। लेकिन दो साल से अधिक बीत चुका है, लेकिन चीन के लग्जरी विमान नेपाल के आसमान के बजाय जमीन पर ही खड़े रहकर जंग खा रहे हैं। चिंता की बात यह है कि बिना किसी कमाई के बाद भी देश का वित्त मंत्रालय इन विमानों के लोन के ब्याज का भुगतान कर रहा है। राष्ट्रीय एयरलाइंस पहले से ही मुश्किल वक्त से गुजर रही है और इसके बाद चीन के ये विमान उसके लिए गले की हड्डी बन गए हैं जिन्हें अब न निगलते बन रहा है और न उगलते।

चीन के प्लेन की पहली खेप 2014 में आई थी और इनका संचालन विमानों की कीमत से भी महंगा है। नेपाल एयरलाइंस गंभीर रूप से घाटे से गुजर रही है। जुलाई 2020 में कॉर्पोरेशन के बोर्ड ने तंग आकर इन विमानों को स्टोरेज में खड़ा करने का फैसला किया। इतना ही नहीं प्लेन के कई हिस्से, जो धातु के बने हैं, अब जंग खाने लगे हैं। नाम न बताने की शर्त पर नेपाल एयरलाइंस के एक सीनियर कैप्टन ने बताया, 'ये विमान जंग के प्रति अतिसंवेदनशील होते हैं।' जंग प्लेन के धातु और उसके हिस्सों को कमजोर कर देता है जिससे न सिर्फ सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो सकता है बल्कि इनका रखरखाव भी बेहद महंगा है। कैप्टन ने कहा कि किसी ने यह नहीं देखा कि प्लेन किस स्थिति में हैं। किसी को नहीं पता कि ये प्लेन और कितने साल तक इसतरह जमीन पर खड़े रहने वाले हैं। कुछ प्राइवेट एयरलाइंस के अधिकारियों का कहना है कि पार्क किए गए विमानों के साथ लंबे समय तक स्टोरेज की प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया है। अंततः इससे विमानों के मूल्य में गिरावट आएगी।

कोरोना वायरस की जंग उत्तर कोरिया ने जीती, किम जोंग उन ने किया ऐलान

सियोल (ईएमएस)। कोविड के घातक वायरस को उत्तर कोरिया ने परास्त कर दिया है यहां के शासक किम जोंग उन ने गुरुवार को कोविड-19 वैश्विक महामारी पर पूरी तरह पार पाने की घोषणा करते हुए कहा कि देश की इस सफलता को सार्वजनिक स्वास्थ्य के इतिहास में दर्ज किया जाएगा। वहीं, उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी की एक खबर में किम की बहन के हवाले से कहा गया कि उनके भाई को बुखार था और उत्तर कोरिया में इस प्रकोप के लिए उन्होंने सीमा पार दक्षिण कोरिया से भेजे गए 'पर्चों' को दोषी ठहराया। साथ ही, उन्होंने इसके खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की भी चेतावनी दी।

कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती आर्थिक कठिनाइयों के बीच किम को देश पर पूर्ण नियंत्रण बनाए रखने में मदद करने के लिए उत्तर कोरिया ने इस प्रकोप को कम दिखाने की कोशिश की है। उनका मानना है कि वैश्विक महामारी से पार पाने की किम की इस घोषणा का मकसद दूसरी चीजों की ओर अब ध्यान आकर्षित करना है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में यह उछाल सूचना प्रौद्योगिकी, बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में जोरदार खरीददारी के साथ ही विदेशी कोषों के प्रवाह से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 515.31 अंक करीब 0.88 फीसदी की बढ़त के साथ ही 59,332.60 अंक पर बंद हुआ।

वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 124.25 अंक तकरीबन 0.71 फीसदी ऊपर आकर 17,659 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में एक्सिस बैंक में सबसे अधिक 2.75 फीसदी की बढ़त आई। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी, टेक महिंद्रा, विप्रो, एसबीआई, टीसीएस और इंडसइंड बैंक के शेयर लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर आईटीसी, एनटीपीसी, एचयूएल, भारती एयरटेल, मारुति और नेस्ले इंडिया के शेयर गिरे हैं। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला और यह बढ़त दिनभर कायम रही।

वहीं एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, चीन का शंघाई कंपोजिट और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी लाभ में रहा जबकि जापान का निक्की नुकसान में रहा। यूरोपीय बाजारों की बात करें तो प्रमुख बाजार गिरावट पर कारोबार कर रहे थे। घरेलू बाजारों में तेजी को वैश्विक बाजारों और विशेष रूप से अमेरिकी बाजार और बाद में एशियाई बाजारों से बल मिला।

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार गत दिवस विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 1,061.88 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे , इससे भी बाजार का रुख सकारात्मक हुआ है।

ट्विटर विवाद के बीच एलन मस्क ने टेस्ला में अपने 80 लाख शेयर बेचे

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। दिग्गज अमेरिकी कारोबारी और दुनिया के रईस एवं टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने ट्विटर के साथ कानूनी लड़ाई से पहले कंपनी में अपने करीब सात अरब डॉलर के शेयर बेच दिए हैं। मस्क ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। मस्क ने बताया कि उन्होंने हाल के दिनों में टेस्ला इंक में अपने करीब 80 लाख शेयर बेचे हैं। टेस्ला और ट्विटर दोनों में ही मस्क सबसे बड़े शेयरधारक हैं। मस्क ने ट्वीट किया, 'अगर ट्विटर सौदे को पूरा करने का दबाव बनाती है और कुछ इक्विटी साझेदार साथ नहीं आते हैं तो टेस्ला के शेयरों की आपातकालीन बिक्री से बचने के लिए ऐसा करना जरूरी है।' मस्क ने आरोप लगाया था कि कंपनी ट्विटर के फर्जी खातों की संख्या के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं दे सकी, जिसके चलते उन्होंने यह सौदा रद्द किया। मस्क ने इस साल की शुरुआत में करीब 44 अरब डॉलर में ट्विटर के अधिग्रहण का समझौता किया था।

मैक्सिको के राष्ट्रपति बोले, पीएम मोदी को शामिल कर वैश्विक संघर्ष विराम के लिए आयोग बनाए यूएन

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। वैश्विक शांति के लिए मैक्सिको के राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर संयुक्त राष्ट्र में एक आयोग स्थापित करने का प्रस्ताव रखेंगे, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पोप फ्रांसिस और संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि आयोग का उद्देश्य युद्ध को रोकना और विश्व शांति सुनिश्चित करने के लिए कम से कम पांच साल के लिए संघर्ष विराम करना है।

ओब्रेडोर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि तीन महान शक्तियां रूस, चीन और अमेरिका की सरकारें, उनकी बात को सुनेंगी और एक मध्यस्थता स्वीकार करेंगी। उन्होंने प्रस्ताव दिया कि आयोग में प्रधानमंत्री मोदी, संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुतारेस और पोप फ्रांसिस शामिल होंगे और वे हर जगह युद्ध को रोकने के लिए जल्द ही मिलेंगे और एक प्रस्ताव पेश करेंगे।

मैक्सिको के राष्ट्रपति की आधिकारिक वेबसाइट से मिली जानकारी के अनुसार उन्होंने कहा कि वह जिस आयोग का प्रस्ताव कर रहे हैं, उसमें विश्व के नेता प्रधानमंत्री मोदी, संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुतारेस और पोप फ्रांसिस शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से हर जगह युद्ध को रोकना और कम से कम पांच साल के लिए संघर्ष विराम के लिए एक समझौते पर पहुंचना होगा। इससे दुनियाभर की सरकारें अपने लोगों का समर्थन करने के लिए खुद को समर्पित कर सकें, खासकर उन लोगों को जो युद्ध से और युद्ध के प्रभाव से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। ओब्रेडोर ने कहा कि यह स्पष्ट है कि निर्दोष लोगों की जान जा रही है और इसलिए सभी को शांति के लिए प्रयास करने होंगे।

कोरोना के बाद चीन में लैंग्या वायरस से हडंकप, अभी तक 35 मामले आ चुके सामने

बीजिंग (ईएमएस)। कोरोना से पूरी दुनिया में हाहाकार मचाने वाले चीन का इनदिनों बहुत बुरा हाल हो रहा है। बढ़ते कोरोना के मामलों से चीन के कई शहरों में लॉकडाउन लगा है। इसी बीच ताइवान के रोग नियंत्रण केंद्र (सीडीसी) के अनुसार, चीन में नया वायरस का आगमन हो चुका है। वायरस का नाम लैंग्या वायरस है, इसके चीन में अब तक 35 मामले आ चुके हैं। मंगलवार को आधिकारिक चीनी मीडिया के अनुसार, हेनिपावायरस,जिसे आमतौर पर 'लैंग्या' हेनिपावायरस (एलवाईवी) के रूप में जाना जाता है, ने पूर्वी चीन के हेनान और शेडोंग प्रांतों में 30 से ज्यादा लोगों को संक्रमित कर दिया है।वहीं इस वायरस का जानवरों से मनुष्यों में फैलने में संभावना है और गुर्दे और लीवर भी फैल कर सकता है। इसके सामान्य लक्षण बुखार, खांसी, भूख न लगना, और बॉडी पेन है।

ये हेनिपावायरस का एक नया प्रकार है, इस लांग्या वायरस भी कहा जाता है।ये वायरस जानवरों और मनुष्यों में गंभीर बीमारी का कारण बन सकते हैं। अभी तक वायरस की कोई भी दवाई या वैक्सीन नहीं है। चीन में फाइलोजेनेटिक रूप से अलग हेनिपावायरस मिला है। ये एक जूनोटिक (जानवरों से इंसानों में फैलने वाला) हेनिपावायरस है।

यूएन रिपोर्ट : भारत में 2021 में 7.3 फीसदी लोगों के पास थी डिजिटल मुद्रा

जिनेवा (ईएमएस)। वैश्विक निगरानी की शीर्ष संस्था संयुक्त राष्ट्र (यूएनओ) की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 महामारी के दौरान दुनियाभर में क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल अभूतपूर्व दर से बढ़ा है। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि भारत में सात फीसदी से अधिक आबादी के पास डिजिटल करेंसी है। संयुक्त राष्ट्र की व्यापार एवं विकास संस्था यूएनसीटीएडी ने कहा कि 2021 में क्रिप्टोकरेंसी रखने वाली आबादी की हिस्सेदारी के लिहाज से 20 शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में से 15 विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाएं थीं।

इस सूची में 12.7 फीसदी के साथ यूक्रेन शीर्ष पर है। इसके बाद रूस (11.9 फीसदी), वेनेजुएला (10.3 फीसदी), सिंगापुर (9.4 फीसदी), केन्या (8.5 फीसदी) और अमेरिका (8.3 है) हैं। भारत में 2021 में कुल आबादी में से 7.3 फीसदी लोगों के पास क्रिप्टोकरेंसी थी और इस सूची में उसका स्थान सातवां है। यूएनसीटीएडी ने कहा, 'कोविड-19 के दौरान विकसित देशों समेत दुनियाभर में क्रिप्टोकरेंसी का उपयोग बेहद तेजी से बढ़ा है।' इसमें आगे कहा गया, 'यदि क्रिप्टोकरेंसी भुगतान का व्यापक माध्यम बन जाती है और अनाधिकारिक रूप से घरेलू मुद्रा का स्थान ले लेती है तो इससे देशों की मौद्रिक संप्रभुता खतरे में पड़ सकती है।'

सोने और चांदी में गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 347 रुपये नीचे आकर 52,709 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। वहीं गत दिवस सोना 53,056 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी की कीमत भी 455 रुपये के नुकसान के साथ ही 59,103 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना नुकसान के साथ ही 1,787 डॉलर प्रति औंस पर था जबकि चांदी 20.45 डॉलर प्रति औंस पर लगभग स्थिर बनी थी।

दादाभाई नौरोजी के लंदन स्थित मकान को 'ब्लू प्लैक' सम्मान मिला

लंदन (ईएमएस)। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रतिष्ठित सदस्य और ब्रिटेन के पहले भारतीय सांसद दादाभाई नौरोजी दक्षिण लंदन के जिस घर में करीब आठ वर्षों तक रहे, उस ब्लू प्लैक' यानी नीली पट्टिका से सम्मानित किया गया है। 'इंग्लिश हैरिटेज' चैरिटी की योजना 'ब्लू प्लैक' लंदन की ऐतिहासिक महत्व की इमारतों को दिया जाने वाला सम्मान है। नौरोजी को यह सम्मान बुधवार को दिया गया और यह उस वक्त में दिया गया है, जब भारत अपनी आजादी की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है। नौरोजी 19वीं सदी के अंत में करीब आठ वर्षों तक लंदन के इस घर में रहे थे। भारतीय राजनीति के पितामाह'' (ग्रैंड ओल्ड मैन ऑफ इंडिया) कहलाने वाले नौरोजी उस वक्त में वाशिंगटन हाउस, 72 एनर्ले पार्क, पेंगे, ब्रोमली रहने गए थे जब वे वैचारिक तौर पर 1897 में भारत की पूर्ण आजादी के समर्थक बन रहे थे।

लाल रंग की ईंटों से बने घर के बाहर पट्टिका लगी है, जिस पर लिखा है, ''दादाभाई नौरोजी 1825-1917 भारतीय राष्ट्रवादी और सांसद यहां रहे थे। इंग्लिश हैरिटेज ने कहा, नौरोजी सात बार इंग्लैंड गए और लंदन में अपनी जिंदगी का तीन दशक से अधिक का वक्त गुजारा। अगस्त 1897 में वह वाशिंगटन हाउस गए। यहां उनका अधिकांश वक्त वेल्बी आयोग के सदस्य के रूप में काम करते हुए बीता। इस आयोग को ब्रिटिश सरकार ने भारत में व्यर्थ खर्चों की जांच करने के लिए गठित किया था। यहां रहते हुए 'पावर्टी एंड अन-ब्रिटिश रूल इन इंडिया' (1901) शीर्षक से उनकी थ्योरी प्रकाशित हुई थी।''

दस्तावेजों के अनुसार, वाशिंगटन हाउस लंदन में भारतीय समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र था, जहां कई भारतीयों को आमंत्रित किया जाता था। इंग्लिश हैरीटेज ने कहा, ''नौरोजी ने 1904 या 1905 में इस मकान को छोड़ा था। इसके साथ ही यह लंदन में उनका ऐसा मकान बन गया, जहां वह सबसे लंबे समय तक रहे।'' मुंबई में एक पारसी परिवार में जन्मे नौरोजी भारत और ब्रिटेन दोनों जगह एक प्रभावशाली और बुद्धिजीवी नेता थे।

चीन ने भारतीय विमान अपहरण के आतंकी मसूद अजहर के भाई को संयुक्त राष्ट्र में बचाया

वॉशिंगटन (ईएमएस)। चीन अपने दोस्त पाकिस्तान को लेकर कितना आग्रही है कि उसके आंतकियों की भी वकालत करने से नहीं चूकता। अब अमेरिका और भारत की ओर से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के एक कुख्यात आतंकवादी के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव में चीन ने बुधवार को अड़ंगा लगा दिया। राजनयिकों ने इसकी जानकारी दी है। भारत और अमेरिका चाहते थे कि आतंकवादी अब्दुल रऊफ अजहर पर वैश्विक प्रतिबंध लगाए जाएं और उसकी संपत्ति को फ्रीज कर दिया जाए। इस तरह के प्रस्ताव पर सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध समिति के सभी 15 सदस्यों की सहमति होनी चाहिए। लेकिन चीन ने अड़ंगा लगाकर पाकिस्तान को आतंकवादी को बचा लिया।

मीडिया से बात करते हुए चीनी मिशन के प्रवक्ता ने बताया, 'हमने प्रस्ताव को इसलिए रोक दिया क्योंकि हमें केस को स्टडी करने के लिए और समय चाहिए। समिति के दिशा-निर्देशों में प्रस्ताव को रोकने का प्रावधान है और इस तरह के कई लिस्टिंग प्रस्ताव समिति के सदस्यों की तरफ से रोके गए हैं।' यूएस ट्रेजरी ने 2010 में अजहर को नामित किया था और उस पर पाकिस्तानियों को आतंकवादी गतिविधियों में शामिल करने और भारत में आत्मघाती हमले प्लान करने का आरोप लगाया गया था।

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी मिशन के एक प्रवक्ता ने बुधवार को कहा कि अमेरिका अन्य देशों के मतों का सम्मान करता है। अमेरिका अपने सुरक्षा परिषद के भागीदारों के साथ सहयोग को महत्व देता है ताकि आतंकवादियों को अपराध करने के लिए वैश्विक व्यवस्था का शोषण करने से प्रभावी ढंग से रोका जा सके। जैश कमांडर अब्दुल रऊफ अजहर कुख्यात आतंकवादी मसूद अजहर का छोटा भाई है और 1994 में आईसी 814 विमान हाईजैक में शामिल था। इस साल चीन ने यह दूसरी बार संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तानी आतंकवादी की लिस्टिंग पर रोक लगाई है। इससे पहले उसने लश्कर-ए-तैयबा के अब्दुल रहमान मक्की की लिस्टिंग पर रोक लगा दी थी।

इससे पहले मंगलवार को सुरक्षा परिषद को आगाह किया गया कि अफ्रीका में इस्लामिक स्टेट आतंकवादी संगठन का खतरा हर दिन बढ़ रहा है और यह महाद्वीप उसकी 'खिलाफत का भविष्य' हो सकता है। अफ्रीका के सुरक्षा विशेषज्ञ मार्टिन एवी ने यह चेतावनी दी थी। एवी ने कहा कि इस्लामिक स्टेट ने अफ्रीका में अपना दबदबा बढ़ाया है और कम से कम 20 देश आतंकवादी संगठन की गतिविधियों का प्रत्यक्ष तौर पर अनुभव कर रहे हैं।

ताइवान के सभी राजनीतिक दलों ने चीन के 'एक देश, दो प्रणाली' के प्रस्ताव को खारिज किया

बीजिंग (ईएमएस)। ताइवान के सभी राजनीतिक दलों ने चीन के 'एक देश, दो प्रणाली' के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। चीन ने ताइवान के भावी एकीकरण के बाद वहां सैनिकों या प्रशासकों को नहीं भेजने का वादा वापस ले लिया है। बुधवार को एक आधिकारिक दस्तावेज में कहा गया है कि अगर वह द्वीप पर नियंत्रण करता है, तो राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा पहले की गई पेशकश की तुलना में कम स्वायत्तता देने का फैसला किया गया है। ताइवान पर चीन का ये श्वेत पत्र पिछले सप्ताह अमेरिकी हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी की यात्रा के विरोध में बड़े सैन्य अभ्यास के बाद सामने आया है।

एक खबर के मुताबिक चीन ने 1993 और 2000 में ताइवान पर अपने पिछले दो श्वेत पत्रों में कहा था कि बीजिंग की 'पुनर्मिलन' की शर्तों को स्वीकार करने के बाद वह 'ताइवान में सैनिकों या प्रशासनिक कर्मियों को नहीं भेजा जाएगा'। पहले ताइवान को यह आश्वस्त किया गया था कि वह चीन का एक विशेष प्रशासनिक क्षेत्र बनने के बाद स्वायत्तता का आनंद लेगा। जबकि नए श्वेत पत्र में ये वादा नहीं किया गया है।

चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने पहले प्रस्ताव दिया था कि ताइवान 'एक देश, दो सिस्टम' मॉडल के तहत अपना शासन चला सकता है। जिस फॉर्मूले के तहत पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश हांगकांग 1997 में चीनी शासन में लौट आया था। चीन ने पहले वादा किया था कि लोकतांत्रिक रूप से शासित ताइवान को अपनी सामाजिक और राजनीतिक प्रणालियों को आंशिक रूप से संरक्षित करने के लिए कुछ स्वायत्तता देगा।

ताइवान के मुख्यधारा के सभी राजनीतिक दलों ने 'एक देश, दो प्रणाली' के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है और जनमत सर्वेक्षणों के अनुसार इसे कोई सार्वजनिक समर्थन प्राप्त नहीं है। ताइवान की सरकार का कहना है कि केवल द्वीप के लोग ही अपना भविष्य तय कर सकते हैं। ताइवान की मुख्यभूमि मामलों की परिषद ने इस श्वेत पत्र की निंदा करते हुए कहा कि केवल ताइवान के 23 मिलियन लोगों को ताइवान के भविष्य पर निर्णय लेने का अधिकार है। वे एक निरंकुश शासन द्वारा तय की गई बात को कभी स्वीकार नहीं करेंगे।

दो साल बाद अपना कारोबार संभालने चीन पहुंचे 107 भारतीय कारोबारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और चीन के बीच बड़े व्यापारिक रिश्ते हैं। चीनी उत्पादों के लिए भारत एक बड़ा बाजार है। कई भारतीय व्यापारी भी चीन में जाकर अपना कारोबार करते हैं। लेकिन कोरोना ने स्थितियों को काफी बिगाड़ दिया। कोरोना महामारी की शुरुआत में चीन से जो भारतीय वापस देश लाए गए, उनमें से अधिकांश अभी तक भी चीन वापस नहीं जा सके हैं। कोरोना की शुरुआत के बाद से पहली बार भारत से एक विशेष विमान मंगलवार को चीन में उतरा। यह विमान 107 भारतीय व्यापारियों को लेकर चीनी शहर हांग्जो में उतरा। ये भारतीय व्यापारी कोविड के बाद से चीन नहीं जा पाए थे। अपना व्यापार संभालने के लिए वापस चीन पहुंचकर ये लोग काफी खुश हैं।

विशेष विमान से चीन पहुंचे ये लोग साल 2020 से ही भारत में फंसे हुए थे। भारत ने कोविड की शुरुआत में विदेशों से अपने लोगों को वापस लाने के लिए वंदे भारत मिशन चलाया था। इसके तहत भारत चीन से भी बड़ी संख्या में भारतीयों को वापस देश लाया था। इसके बाद भारत में तब कोविड प्रतिबंध काफी पहले ही खत्म हो गए। लेकिन चीन में कोविड से जुड़े प्रतिबंध अभी भी लागू हैं। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय उड़ान पर भी प्रतिबंध लगे हुए थे। चीन पहुंच इन भारतीयों को वहां प्रोटोकॉल का पालन करना होगा। इन लोगों को 10 दिन तक क्वारंटाइन रहना होगा। इनकी लगातार न्युक्लिक एसिड टेस्टिंग होगी। इसके बाद ही ये भारतीय यिवू जा पाएंगे। यहां बता दें कि यिवू छोटे प्रोडक्ट्स का ग्लोबल सेंटर है। बड़ी संख्या में भारतीय व्यापरी यहां से थोक में सामान खरीदते हैं। यह शहर इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों, घरेलू उपकरणों और खिलौनों जैसे उत्पादों का केंद्र है।

भारत दूसरा ऐसा देश है, जहां यिवू के सबसे अधिक उत्पाद जाते हैं। पीक टाइम में 2,000 से अधिक भारतीय कारोबारी यिवू में रहते थे। वहीं खिलौने, कपड़ों और इलेक्ट्रॉनिक्स के छोटे और मध्यम आकार के निर्माताओं के लिए यिवू बाजार महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री आवास योजना को 31 दिसंबर, 2024 तक बढ़ाने का फैसला

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) (शहरी) को दिसंबर 2024 तक जारी रखने की बुधवार को मंजूरी दी। 'सभी के लिए आवास' उपलब्ध कराने के अभियान को जून, 2015 में शुरू किया और इसकी मूल समय सीमा मार्च 2022 थी। इस योजना का उद्देश्य सभी पात्र शहरी लाभार्थियों को पक्के घर उपलब्ध कराना है। सरकार के अनुसार, 31 मार्च, 2022 तक स्वीकृत 122.69 लाख मकानों का निर्माण पूरा करने के लिए वित्तीय सहायता देती हैं। बयान में कहा गया है कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अनुरोध के आधार पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पीएमएवाई-शहरी के कार्यान्वयन की अवधि को 31 दिसंबर, 2024 तक बढ़ाने का फैसला किया।

अमेरिकी, यूरोपीय बाजारों और एशियाई बाजारों में बढ़त

टोक्यो (ईएमएस)। अमेरिकी, यूरोपीय और एशियाई बाजारों में तेजी आई है। बाजार में यह बढ़त निवेशकों की जमकर की गयी खरीददारी से आई है। महंगाई में नरमी की वजह से पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिका के प्रमुख शेयर बाजारों में शामिल नेसडेक में 2.89 फीसदी की जोरदार बढ़त आई। वहीं अमेरिका की ही तरह यूरोप में भी ज्यादातर शेयर बाजारों में तेजी रही। जर्मनी का स्टॉक एक्सचेंज गत सत्र में 1.23 फीसदी ऊपर बंद हुआ था। इसके अलावा फ्रांस का शेयर बाजार 0.52 फीसदी की बढ़त पर बंद हुआ, जबकि लंदन स्टॉक एक्सचेंज में 0.25 फीसदी का उछाल आया।

वहीं एशियाई बाजारों में भी तेजी का माहौल रहा। बाजार सुबह बढ़त के साथ बंद हुए और अब भी लाभ के साथ ही हरे निशान पर कारोबार कर रहे हैं। सिंगापुर का स्टॉक एक्सचेंज आज 1.15 फीसदी की बड़ी बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है, जबकि ताइवान का बाजार 1.61 फीसदी ऊपर आया। दक्षिण कोरिया का कॉस्पी भी 1.43 फीसदी की बढ़त पर बना रहा।

भारत का विरोध आया काम, चीन के जासूसी जहाज ने अपना रास्ता बदला

सैटलाइट तस्वीरों में हुआ खुलासा

कोलंबो (ईएमएस)। चीनी सेना के महाशक्तिशाली जासूसी जहाज यूआन वांग 5 ने संभवतः अपना रास्ता बदल लिया है। ताजा सैटलाइट तस्वीरों में इसका खुलासा हुआ है। यह जासूसी जहाज अभी श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह से मात्र 650 समुद्री मील की दूरी पर है। एक निजी एजेंसी ने इन तस्वीरों के आधार पर बताया कि चीन के जासूसी जहाज ने अपना रास्ता भले ही बदल लिया हो लेकिन उसका अंतिम लक्ष्य हंबनटोटा पहुंचना ही है। इससे पहले भारत ने इस सैन्य जहाज को लेकर श्रीलंका से अपनी चिंता जाहिर की थी।

चीन का यह सैन्य शोध करने वाला जहाज बलिस्टिक मिसाइलों को भी ट्रैक कर सकता है। यह जहाज अभी इंडोनेशिया के तट से हंबनटोटा की ओर बढ़ रहा है। करीब 23 हजार टन का यह चीनी जहाज गुरुवार को हंबनटोटा पहुंचना है। इसके पहले भारत सरकार के अनुरोध पर श्रीलंका के विदेश मंत्रालय ने चीन सरकार से कहा था कि वह इस जहाज की यात्रा को अगले विचार विमर्श तक टाल दे। भारत के विरोध में चीन भड़का और कहा था कि तीसरे पक्ष को श्रीलंका के साथ सामान्य आदान-प्रदान में बाधा नहीं डालना चाहिए।

भारत लगातार श्रीलंकाई अधिकारियों से चीन के जहाज को लेकर दबाव बना रहा है जो फिलहाल अभी हिंद महासागर में मौजूद है। चीन के दूतावास ने श्रीलंका से कहा है कि उसे जवाब देने के पहले बीजिंग से सलाह करना होगा। इस चीनी जहाज में चालक दल के 400 सदस्य हैं। इसमें कई शक्तिशाली एंटेना और सेंसर लगे हैं। भारत को डर है कि चीन दक्षिणी भारत के भारतीय प्रतिष्ठानों की जासूसी कर सकता है। यही नहीं चीन ओडिसा के तट पर किए जाने वाले मिसाइल परीक्षण की भी निगरानी कर सकता है। चीन भारतीय मिसाइलों की ठीक-ठीक रेंज का पता लगा सकता है।

कई बीमारियों के प्रकोप की चपेट में अफगानिस्तान, खसरे के कुल 64,654 मामले

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अफगानिस्तान में आम जनता कई बीमारियों से जूझ रही है, जिसमें एक्यूट वाटरी डायरिया (एडब्ल्यूडी), खसरा, कांगो बुखार, डेंगू बुखार और कोविड -19 शामिल हैं। यह जानकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक ताजा रिपोर्ट से मिली है। अफगानिस्तान के स्थानीय मीडिया ने कहा कि डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट में कहा गया है कि देश भर में एक्यूट वाटरी डायरिया (एडब्ल्यूडी) के मामलों में काफी वृद्धि हुई है।

अफगानिस्तान के विभिन्न प्रांतों, विशेष रूप से काबुल, पक्तिया, खोस्त, पक्तिका, जजजान गजनी, कंधार और ज़ाबुल प्रांतों में एडब्ल्यूडी के लगभग 19,050 से अधिक मामलों की पुष्टि की गई है। घटनाओं में गिरावट के बाद भी सभी प्रांत अभी भी खसरे के मामलों की सूचना दे रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार पूरे अफगानिस्तान में खसरे के कुल 64,654 मामले हैं। सीसीएचएफ, या क्रीमियन-कांगो रक्तस्त्रावी बुखार, अफगानिस्तान के दक्षिणी, दक्षिण-पूर्वी, पूर्वी और मध्य क्षेत्रों में 13 प्रांतों में भी फैल गया है। छह मौतों के साथ 229 पुष्ट मामले हैं।

अफगानिस्तान के नंगरहार प्रांत में जुलाई 2022 में डेंगू बुखार के नए मामले आसमान छू रहे हैं। जुलाई 2022 में अफगानिस्तान में आने वाली महामारियों, चिकित्सा आपात स्थितियों और प्राकृतिक आपदाओं का जवाब देने के लिए, डब्ल्यूएचओ देश तक पहुंच रहा है और संसाधन उपलब्ध करा रहा है और अपनी क्षमताओं का निर्माण कर रहा है। अफगानिस्तान में एक और दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई जब 18 जुलाई, 2022 को खोस्त और पक्तिका के दक्षिण-पूर्वी प्रांतों में 5.1 झटके आए। यह 22 जून, 2022 को आए 5.9 तीव्रता के भूकंप के अतिरिक्त था, जिसमें 361,000 से अधिक लोग घायल हुए थे। संयुक्त राष्ट्र ने देश के पूर्वी हिस्से में आए भूकंप से प्रभावित अफगानिस्तान के लोगों का समर्थन करने के लिए संयुक्त राष्ट्र केंद्रीय आपातकालीन प्रतिक्रिया कोष (यूएनसीईआरएफ) से 10 मिलियन अमरीकी डालर आवंटित किए। भारत ने भूकंप से प्रभावित अफगान नागरिकों की सहायता के लिए राहत सहायता की खेप भी सौंपी थी। विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव (पीएआई), जेपी सिंह द्वारा सौंपी गई राहत सहायता में भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में अफगानिस्तान के लोगों का समर्थन करने के लिए परिवार के रिज टेंट, स्लीपिंग बैग, कंबल, स्लीपिंग मैट आदि सहित आवश्यक वस्तुएं शामिल थीं।

73वें वन महोत्सव : मुख्यमंत्री राज्य के 22वें सांस्कृतिक वन 'वटेश्वर वन' का आज करेंगे लोकार्पण

- 5 हेक्टेयर क्षेत्र में 73 हजार से अधिक पौधों से संवरेगी झालावाड़ की हरियाली

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में शुक्रवार को सुरेन्द्रनगर के दूधरेज में 73वें वन महोत्सव का राज्यस्तरीय समारोह आयोजित होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री राज्य के 22वें सांस्कृतिक वन 'वटेश्वर वन' का लोकार्पण करेंगे। 73वें वन महोत्सव के अंतर्गत राज्य में कुल 10.35 करोड़ पौधों का वितरण किया जाएगा। 2 जुलाई, 2022 को भूमिपूजन के बाद केवल 40 दिनों के अल्प समय में तैयार 'वटेश्वर वन' राज्य का 22वां और सुरेन्द्रनगर का दूसरा सांस्कृतिक वन है। भगवान वडवाळा के नाम पर इसका नामकरण किया गया है। 10 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित यह वन दूधरेज केनाल साइट पर 5 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है और यहां 73 हजार से अधिक पौधे लगाए गए हैं। आयुर्वेद और योग की थीम पर आधारित इस वन के निर्माण का उद्देश्य यह है कि लोग अन्य बाग-बगीचों की तरह यहां केवल सैर-सपाटा नहीं बल्कि वनस्पतियों और उसके चिकित्सकीय गुणों के बारे में भी जानें तथा स्थानीय संस्कृति और प्रकृति का परिचय भी प्राप्त करें। यह सांस्कृतिक वन 33 एमेनिटीज यानी सुविधाओं से सुसज्जित है। रजवाड़ी स्थापत्य कला, लकड़ी और प्राकृतिक पत्थरों के उपयोग के साथ निर्मित वटेश्वर वन से सुरेन्द्रनगर-झालावाड़ क्षेत्र का इतिहास, साहित्य और संस्कृति के विभिन्न पहलू प्रतिबिंबित होते हैं। इसके प्रत्येक हिस्से के निर्माण के पीछे कोई संदेश या विचार निहित है। झालावाड़ के लोक नृत्य और लोक संगीत को ध्यान में रखते हुए इस मुख्य द्वार के समीप तरणेतर मेला और द्रौपदी के स्वयंवर सहित अन्य ऐतिहासिक प्रसंगों के शिल्प और चित्र आगंतुकों के स्वागत में लगाए गए हैं। वटेश्वर वन आयुष कलर गार्डन, योगा गार्डन, जेन गार्डन, स्कल्पचर गार्डन और सेंस एंड टच गार्डन, फ्रूट एंड फन पार्क जैसे थीम आधारित बगीचों-विभागों का समूह है। इनमें से प्रत्येक विभाग अपनी तरह से विशिष्ट हैं। आयुष कलर गार्डन में अन्य सामान्य गार्डन की तरह केवल रंग-बिरंगे और सुगंधित पौधे नहीं बल्कि आयुर्वेद में उपयोगी यानी मेडिसिनल वैल्यू वाले पौधे रोपे गए हैं। पांच ज्ञानेंद्रियों में से एक स्पर्श इंद्रिय के माध्यम से प्रत्येक तत्व को छूने पर शरीर में अलग संवेदना जगाती है। इस टच थैरेपी को ध्यान में रखकर योगा गार्डन बनाया गया है। इस आम तौर पर घास की लॉन पर बनने वाले बगीचे से अलग इसकी सतह को पांच विभिन्न प्रकार के मटीरियलों तैयार किया गया है। सर्वप्रथम छोटे-छोट गोल पत्थर हैं, जिस पर चलने से एक्यूपंचर थैरेपी का अनुभव होता है। इसके बाद आते हैं ईंट, लकड़ी और प्राकृतिक पत्थरों से बने हिस्से। आगंतुक इन सभी हिस्सों पर खुले पैर चलकर इसका अनुभव कर सकते हैं। इस गार्डन में सूर्य नमस्कार और योग की विभिन्न मुद्राओं के शिल्प रखे गए हैं, जो इसकी खूबसूरती को और बढ़ाते हैं। इसी तरह, सेंस एंड टच गार्डन में दृष्टि, श्रवण, स्पर्श, गंध और स्वाद जैसी मानव शरीर की पांच इंद्रियों की थीम पर पौधरोपण किया गया है। यहां भी एक्यूपंचर पद्धति पर आधारित एक वॉक-वे रिंग बनाई गई है। जो लॉन, कपची, पत्थर और लगड़ी सहित अन्य पदार्थों से बनी है। इस पर चलने से आराम का अनुभव होता है। यह पूरा वॉक-वे थीम पर आधारित है। फॉक्स टेल वॉक-वे यानी लोमड़ी की पूंछ जैसे आकार वाले पौधों से बना वॉक-वे। वहीं, इंडियन क्रिसमस ट्री वॉक-वे पर चलने से क्रिसमस ट्री की कतारों के बीच चलने का अनुभव होता है। यह फोटो खिंचवाने के लिए एक बेहतरीन लोकेशन भी है। आगंतुकों का मन चंपा वॉक-वे से गुजरते वक्त चंपा की खुशबू से तरोताजा हो जाएगा। आरोग्य वन को वटेश्वर वन का मुख्य केंद्र कहा जा सकता है। यहां आंख, कान, किडनी, हृदय, लीवर, त्वचा और हड्डियों सहित शरीर के 10 अंगों के लिए फायदेमंद और उनसे संबंधित रोगों के उपचार में उपयोग किए जाने वाले आयुर्वेदिक वनस्पतियों-जड़ी बुटियों के पौधे लगाए गए हैं। यहां प्रत्येक अंग का शिल्प और उसके लिए उपयोगी वनस्पतियों का परिचय प्रदर्शित किया गया है। घरेलू उपचारों की जानकारी देने वाला होम आयुर्वेदा इंफॉर्मेशन डेस्क भी यहां लगाया गया है। योग एवं प्राचीन चिकित्सा प्रणाली-आयुर्वेद के जनक कहे जाने वाले पतंजलि, चरक, धन्वंतरि, सुश्रुत और अश्विनीकुमार जैसे पांच महान ऋषियों के नाम पर पांच ऋषि वन बनाए गए हैं। वन में मौलसरी, बरगद, नीम, कंटकारी, हरडे, अडूसा, मदनफल, सहजन, अश्वगंधा, ब्राह्मी, वडेलिया, हड़जोड़, तुलसी, सदाबहार (बारहमासी), गुलाब और पारिजात सहित आयुर्वेद में उपयोगी अनेक वनस्पतियों के पौधे लगाए गए हैं। स्कल्पचर गार्डन में सुरेन्द्रनगर से जुड़े महान व्यक्तित्वों सरदार सिंह राणा, जवेरचंद मेघाणी और पांचल प्रदेश में मत्स्य भेदन करने वाले अर्जुन के शिल्प बनाए गए हैं और उनके विषय में जानकारी भी प्रदर्शित की गई है, जो आगंतुकों को स्थानीय संस्कृति और इतिहास से अवगत कराएगी। वटेश्वर वन में जंगल का अनुभव कराने के लिए एक छोटा जंगल भी बनाया जाएगा। बच्चों को ध्यान में रखकर वन में खेलकूद के लिए एक विभाग रखा गया है। बच्चों को फिसलपट्टी और झूलों से कुछ विशेष प्रदान करने के आशय से फ्रूट एंड फन पार्क बनाया गया है। यहां विभिन्न तरह के फलों के वृक्ष लगाए जाएंगे। यहां स्ट्रॉबेरी, ड्रैगन फ्रूट, तरबूज और संतरा सहित कई फलों के शिल्प बच्चों के लिए सेल्फी पॉइन्ट बनेंगे। बड़े-बुजुर्ग भी वटेश्वर वन घूमने के बाद यहां की यादों को संजोने के लिए वटेश्वर वन लिखे हुए सेल्फी पॉइन्ट पर तस्वीरें खिंचवा सकते हैं। कम वर्षा वाले सुरेन्द्रनगर जिले की छवि शुष्क क्षेत्र की है। ऐसे में चोटिला के भक्तिवन के बाद 73 हजार से अधिक पौधों वाला यह वन झालावाड़वासियों के लिए अनूठी भेंट और सैर का एक सुंदर स्थल साबित होगा।

राज्य में वृक्ष आवरण और जैविक विविधता में बढ़ोतरी के उद्देश्य से तत्कालीन मुख्यमंत्री और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा और मार्गदर्शन से राज्य में 2004 से वन महोत्सव के दौरान सांस्कृतिक वनों की स्थापना की शुरुआत हुई। इस श्रृंखला के अंतर्गत पिछले 18 वर्षों में कुल 21 सांस्कृतिक वनों का निर्माण किया गया है। दूधरेज में आयोजित होने वाले 73वें वन महोत्सव कार्यक्रम में केंद्रीय आयुष, महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री महेन्द्रभाई मुंजपरा, वन एवं पर्यावरण मंत्री किरीटसिंह राणा, राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा और विधायक धनजी पटेल तथा पुरुषोत्तम साबरिया सहित कई महानुभाव उपस्थित रहेंगे। उल्लेखनीय है कि राज्य में अब तक निर्मित सांस्कृतिक वनों में पुनित वन-गांधीनगर, मांगल्य वन-बनासकांठा, तीर्थंकर वन-मेहसाणा, हरिहर वन-गिर सोमनाथ, भक्ति वन-सुरेन्द्रनगर, श्यामल वन-अरवल्ली, पावक वन-भावनगर, विरासत वन-पंचमहाल, गोविंद गुरु स्मृति वन-महिसागर, नागेश वन-देवभूमि द्वारका, शक्ति वन- राजकोट, जानकी वन-नवसारी, आम्र वन-वलसाड़, एकता वन-सूरत, शहीद वन-जामनगर, महिसागर वन-आणंद, वीरांजलि वन-साबरकांठा, रक्षक वन-कच्छ, जडेश्वर वन-अहमदाबाद, राम वन-राजकोट और मारुति नंदन वन-वलसाड़ सहित कुल 21 वनों बनाए गए हैं। सुरेन्द्रनगर जिले के दूधरेज में बना यह वटेश्वर वन राज्य का 22वां सांस्कृतिक वन होगा। यह वन प्रकृति प्रेमियों, वन विहार करने वालों, आगंतुकों और सैलानियों के लिए एक अनन्य विरासत साबित होगा।

मुख्यमंत्री को रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर विभिन्न वर्गों की बहनों ने राखी बांध दी शुभकामनाएं

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को गुरुवार को रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर समाज के विभिन्न वर्गों की बहनों और प्रजापिता ब्रह्माकुमारी की बहनों ने राखी बांध रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। आज रक्षाबंधन के पवित्र अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को राखी बांधने के लिए मुख्यमंत्री निवास स्थान पर सुबह से ही अहमदाबाद शहर और जिले तथा गांधीनगर सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में माताओं और बहनों का विशाल समूह पहुंचा। इन सभी बहनों ने मंगलकामनाएं व्यक्त की कि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व और मार्गदर्शन में गुजरात विकास और प्रगति की नई ऊंचाइयों को पार करे। मुख्यमंत्री ने सभी बहनों की शुभकामनाओं को दिल से स्वीकार किया। राज्य मंत्री श्रीमती निमिषाबेन सुथार भी इस अवसर पर मौजूद रहीं और उन्होंने भी मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को राखी बांधी।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में स्वतंत्रता दिवस का राज्यस्तरीय समारोह अरवल्ली में

- गुजरात विधानसभा की अध्यक्ष डॉ. नीमाबेन आचार्य कच्छ में करेंगी ध्वजवंदन

- मंत्रिमंडल के के सदस्य और कलेक्टर विभिन्न जिला मुख्यालयों में करेंगे ध्वजारोहण

गांधीनगर (ईएमएस) स्वतंत्रता दिवस का राज्यस्तरीय समारोह अरवल्ली में आयोजित होगा। 15 अगस्त को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में अरवल्ली में ध्वज वंदन समारोह आयोजित होगा। गुजरात विधानसभा की अध्यक्ष डॉ. नीमाबेन आचार्य कच्छ में तथा राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य और कलक्टर विभिन्न जिला मुख्यालयों में ध्वजारोहण करेंगे। कैबिनेट मंत्रियों में राजेंद्र त्रिवेदी आणंद में तिरंगा फहराएंगे। जीतू वाघाणी राजकोट में, ऋषिकेश पटेल अहमदाबाद में, पूर्णेश मोदी गिर सोमनाथ जिले में, राघवजी पटेल पोरबंदर में, कनु देसाई सूरत में, किरीटसिंह राणा भावनगर में, नरेश पटेल वलसाड़ और अर्जुनसिंह चौहान महिसागर जिला मुख्यालय में झंडा फहराएंगे। वहीं, राज्य मंत्रियों में हर्ष संघवी गांधीनगर में राष्ट्र ध्वज फहराएंगे। जगदीश पंचाल (विश्वकर्मा) मेहसाणा में, ब्रिजेश मेरजा जामनगर में, जीतूभाई चौधरी नवसारी में, श्रीमती मनीषाबेन वकील खेड़ा में, मुकेश पटेल तापी में, श्रीमती निमिषाबेन सुथार छोटा उदेपुर में, अरविंद रैयाणी जूनागढ़ में, कुबेर डिंडोर साबरकांठा जिले में, कीर्तिसिंह वाघेला पाटण में, गजेंद्रसिंह परमार बनासकांठा जिले में, आर. सी. मकवाणा अमरेली में, विनोद मोरड़िया बोटाद में और देवा मालम मोरबी में ध्वजारोहण करेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग की विज्ञप्ति के अनुसार सुरेन्द्रनगर, देवभूमि द्वारका, पंचमहाल, भरूच, नर्मदा, दाहोद और डांग में संबंधित जिलों के कलक्टर की अध्यक्षता में ध्वज वंदन समारोह आयोजित होगा।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद में आईटीसी नर्मदा होटल का किया उद्घाटन

अहमदाबाद ,मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेलने बुधवार को अहमदाबाद में आईटीसी नर्मदा होटल का उद्घाटन करते हुए कहा कि गुजरात की परम्परा और संस्कृति को ध्यान में रखते हुए इस होटल का निर्माण हुआ है; जो हम सभी के लिए एक गर्व की बात है। आज आईटीसी गुजरात में कई सारे क्षेत्रों में कार्यरत् है और गुजरात की इकोनॉमी (अर्थव्यवस्था) में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। पटेल ने कहा कि गुजरात अपनी सकारात्मक व्यापार नीति के कारण आज देश-विदेश के निवेशकों को आकर्षित करने में सफल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात के विकास को दी गई दिशा के कारण देश-विदेश के अनेक निवेशक गुजरात की ओर आकर्षित हुए हैं; जिससे गुजरात देश का ग्रोथ इंजन बना है। इस अवसर पर आईटीसी लिमिटेड के अध्यक्ष संजीव पुरी ने कहा,''हम अहमदाबाद में आईटीसी के सिग्नेचर हॉस्पिटैलिटी लैण्डमार्क 'आईटीसी नर्मदा' को लॉन्च करते हुए अत्यंत गौरव की अनुभूति कर रहे हैं। भारत में आईटीसी की प्रतिष्ठित प्रॉपर्टीज़ (सम्पत्तियों) की विरासत पर निर्मित आईटीसी नर्मदा होटल गुजरात के समृद्ध विरासत, वैभव एवं विविधतापूर्ण संस्कृति को दिया गया सम्मान है। यह राज्य का प्रथम ऐसा होटल है; जिसे सस्टेनेबिलिटी तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए LEED प्लेटिनम प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है।'' आईटीसी लिमिटेड के एग्ज़ीक्यूटिव डाइरेक्टर (कार्यपालक निदेशक) नकुल आनंद ने कहा, ''वैभवशाली होटलों के हमारे पोर्टफ़ोलियो में आईटीसी नर्मदा के जुड़ने से पश्चिम भारत में हमारी उपस्थिति अधिक मज़बूत हुई है। अहमदाबाद के पास पूर्णतः अनूठीसंस्कृति एवं परम्पराएँ हैं।'' उल्लेखनीय है कि आईटीसी लिमिटेड ने भारत की प्रथम यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सिटी अहमदाबाद में प्रीमियर लग्ज़री होटल आईटीसी नर्मदा के उद्घाटन की घोषणा की है। आईटीसी नर्मदा गुजरात की प्रथम LEED प्लेटिनम प्रमाणित और भारत में आईटीसी होटलों के वैभवशाली कलेक्शन का 15वाँ होटल है। अहमदाबाद शहर के व्यस्ततम् व्यावसायिक क्षेत्र में अत्यंत अनुकूल स्थान पर स्थित यह होटल 70 मीटर, 19 मंज़िलें तथा 291 कमरों का भव्य ढाँचा है। आईटीसी नर्मदा अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के माध्यम से अहमदाबाद के आतिथ्य-सत्कार का समग्र परिदृश्य बदल डालेगा और अहमदाबाद को वैश्विक MICE (Meetings, Incentives, Conferences, E²hibitions) टूरिज़्म तथा इवेंट्स के लिए एक आदर्श स्थल बनाएगा।

इस अवसर पर अहमदाबाद के महापौर किरीटभाई परमार, अहमदाबाद महानगर पालिका आयुक्त लोचन सेहरा, विधायक किशोरभाई चौहाण, बलराम थावाणी, अहमदाबाद महानगर पालिका स्थायी समिति के अध्यक्ष हितेशभाई बारोट, भाजपा अग्रणी अमित शाह तथा राज्य पुलिस महानिदेशक आशिष भाटिया उपस्थित रहे।

आज का दिन गुजरात के लिए भारी, कई जिलों में भारी से अतिभारी बारिश की संभावना

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात के लिए शुक्रवार का दिन भारी रहने वाला हैं मौसम विभाग के मुताबिक शुक्रवार को राज्य के कई जिलों में भारी से अतिभारी बारिश हो सकती हैं अरब सागर में एक साथ दो लो प्रेशर सिस्टम सक्रिय हैं बंगाल की खाडी में बना वेलमार्क लो प्रेशर सिस्टम मध्य प्रदेश के पूर्व हिस्से में पहुंच गया हैं दूसरी ओर सौराष्ट्र के उत्तर-पूर्व अरब सागर पर एक नई लो प्रेशरसिस्टम सक्रिय हुई हैं संभावना है कि आगामी 48 घंटों यह लो प्रेशर पश्चिम की ओर आगे बढ़ेगी इन सिस्टम की असर से गुजरात में भारी से अतिभरी बारिश हो सकती हैं मौसम विभग के मुताबिक शुक्रवार को कच्छ, दाहोद, पंचमहल, और महीसागर में भारी से अतिभारी बारिश हो सकती हैं उत्तर गुजरात के बनासकांठा, साबरकांठा में भारी से अतिभारी बारिश होगी जबकि मेहसाणा, पाटण और अरवल्ली जिले में भारी बारिश हो सकती हैं इसके अलावा जूनागढ़, गिर सोमनाथ, डांग, नवसारी, वलसाड, दमण, दादरानगर हवेली, राजकोट, पोरबंदर, अमरेली, दीव, गांधीनगर, अरवल्ली, खेडा, अहमदाबाद, पंचमहल, दाहोद, महीसागर, छोटाउदेपुर, नर्मदा, भरुच, जामनगर, भावनगर मोरबी, देवभूमि द्वारका और कच्छ में भारी बारिश होने की संभावना हैं

भाविना पटेल और सोनल पटेल का परिवार हुआ भावुक

अहमदाबाद, ११ अगस्त ।

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर दिल्ली की एयर इंडिया की फ्लाइट लैंड होने पर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर भारत माता की जय के नारे के साथ गूंज उठा । यह नारा दूसरे किसी के लिए नहीं लेकिन गुजरात की दो बेटियों के लिए लगाया गया । कॉमनवेल्थ गेम्स में गुजरात की भाविना पटेल ने पेरा टेबल टेनिस में गोल्ड मेडल, जबकि सोनल पटेल ने ब्रोन्ज मेडल जीतकर देश का नाम रोशन किया है । भाविना पटेल ने पेरा टेबल टेनिस में फाइनल में नाइजीरिया के खिलाडी को ३-० से हराकर गोल्ड मेडल जीता था । जबकि सोनल भी कॉमनवेल्थ गेम्स २०२२ में पेरा टेबल टेनिस में ब्रोन्ज मेडल जीता था । एयरपोर्ट पर परिवार, दोस्तों और कोच तथा गुजरात पेरा एसोसिएशन के सभी लोगों ने दोनों का फूलहार और जय हो नारे के साथ स्वागत किया गया । इस मामले में भाविना पटेल की मां निरंजना पटेल ने बताया है कि हमारे लिए यह उत्सव जैसा दिन है । आज हमें गर्व है भाविना हमारी बेटी है । जिसने अपनी कमी को खूबी बना दी है । इस मामले में भाविना पटेल के पिता हसमुख पटेल ने भी भाविना की जीत के लिए खुशी व्यक्त की ।

अहमदाबाद रॉयल्स के रोटरी क्लब ने क्लब 07 में अपने स्थापना कार्यक्रम का आयोजन किया।

अहमदाबाद , रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3054 के भाग अहमदाबाद रॉयल्स के रोटरी क्लब ने रविवार, 7 अगस्त, 2022 को क्लब 07 में अपने स्थापना कार्यक्रम का आयोजन किया।

रोटरी इंटरनेशनल, एक वैश्विक मानवीय क्लब भारत से पोलियो उन्मूलन में अपने योगदान के लिए जाना जाता है और वंचित बच्चों के लिए स्वास्थ्य और शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता, शांति और संघर्ष समाधान, करियर मार्गदर्शन और युवाओं को समर्थन के क्षेत्र में सेवा परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। हमेशा की तरह बहुत ही आयात, हिंन्दिदहसहू.

रोटरी इंटरनेशनल के पदचिन्हों के बाद, अहमदाबाद रॉयल्स के रोटरी क्लब ने साधना भवन, वालाड, अहमदाबाद में वृक्षारोपण की अपनी पहली परियोजना की और 100 से अधिक पेड़ लगाए। जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए वर्ष के दौरान कई और परियोजनाओं की योजना बनाई गई है।

हमारे मुख्य अतिथि डीजी श्री बलवंत सिंह चिराना, गेस्ट ऑफ ऑनर पीडीजी श्री ललित शर्मा जी और पीडीजी श्री अशोक मंगल जी ने एजी, महेंद्र पटेल, चार्टर अध्यक्ष श्री रवि श्रीवास्तव, चार्टर सचिव, सुश्री के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का

उद्घाटन किया। वैशाली श्रीमाली, जीएसआर और क्लब ट्रेनर, मिस्टर प्रेम बम।

सुश्री उरेशा अमीन, सुश्री वैशाली श्रीमाली और सुश्री श्रुति श्रीवास्तव ने प्रार्थना पाठ किया और सुश्री अंशु बम और सुश्री शबनम चपलोत ने मास्टर ऑफ सेरेमनी के रूप में कार्यक्रम का संचालन किया।

क्लब के निदेशक श्री निकुंज पंडया, श्री गिरीशभाई शाह, श्री अमिताभ वर्मा और क्लब एडमिन, सुश्री रितु जी और संयुक्त सचिव सुश्री हिमाक्षी ने अतिथियों का स्वागत किया।

सरदार सरोवर समेत राज्य के 207 जलाशयों में 69 प्रतिशत जलराशि का संग्रह

- मुख्यमंत्री ने उच्च स्तरीय बैठक कर राज्य के जलाशयों की वर्तमान स्थिति की सर्वग्राही समीक्षा की

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेलने वर्तमान वर्षा ऋतु (मॉनसून) में व्यापक वर्षा की स्थिति के चलते राज्य के जलाशयों की सर्वग्राही समीक्षा के लिए बुधवार को गांधीनगर में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की। जलापूर्ति व सिंचाई मंत्री ऋषिकेश पटेल की उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में जल संसाधन विभाग ने जलाशयों की दिनांक 10 अगस्त, 2022 तक की स्थिति का विस्तृत विवरण मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया। बैठक में मुख्यमंत्री को विवरण दिया गया कि राज्य में सरदार सरोवर परियोजना सहित कुल 207 जलाशयों की कुल जल संग्रह क्षमता 25,266 मीलियन क्यूबिक मीटर(एमसीएम)है। इसके समक्ष अब तक 17,395 एमसीएम जल जलाशयों में आया है। अर्थात् लगभग 69 प्रतिशत पानी इन जलाशयो में है। पानी की यह आय पिछले 13 वर्षों में सर्वाधिक तथा गत वर्ष की 10 अगस्त की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने जलाशयों की स्थिति की समीक्षा के दौरान दिशा-निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में वर्षा अधिक होती है और बरसाती पानी बह जाता है, वहाँ छोटे चेकडैम (तटबंध) बना कर बह जाने वाले बरसाती पानी को रोकते हुए जल संग्रह-जल संचय किया जा सकता है। उन्होंने निर्देश भी दिया कि हाल में जहाँ वर्षा हुई है, वहाँ सिंचाई हो सके;इसके लिए आवश्यकता के अनुसार सिंचाई योजनाओं के कार्य भी तुरंत आरंभ करने आवश्यक हैं। इस समीक्षा बैठक में राज्य के जलाशयों की अंचलवार समीक्षा करते हुए बताया गया कि 10 अगस्त, 2022 की स्थिति के अनुसार कच्छ अंचल में 20 मध्यम व 170 लघु सिंचाई योजनाओं के जलाशयों में औसत 70 प्रतिशत जल हैइसी प्रकार सौराष्ट्र अंचल के 141 जलाशयों में 63 प्रतिशत, दक्षिण गुजरात अंचल के 13 जलाशयों में 74 प्रतिशत, मध्य गुजरात अंचल के 17 जलाशयों में 44 प्रतिशत तथा उत्तर गुजरात अंचल के 15 जलाशयों में 31 प्रतिशत पानी है। मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किए गए विवरण में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की ओर से यह भी बताया गया कि सरदार सरोवर परियोजना (नर्मदा बांध) को छोड़ कर शेष 206 जलाशयों में से 69 जलाशय 100 प्रतिशत, 12 जलाशय 80 से 90 प्रतिशत, 10 जलाशय 70 से 80 प्रतिशत, 35 जलाशय 50 से 70 प्रतिशत और 41 जलाशय 50 प्रतिशत भर गए हैं। बैठक में बताया गया कि राज्य के 73 जलाशयों के पानी का पेयजल के रूप में उपयोग किया जाता है। इनमें से 62 जलाशयों में अगस्त 2023 तक चले;इतना व पर्याप्त जल भंडार उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान राज्य में वर्षा की स्थिति की भी समीक्षा की। वर्षा की स्थिति के संदर्भ में मुख्यमंत्री को बताया गया कि राज्य में 10 अगस्त तक औसत 80 प्रतिशत वर्षा हुई है। इतना ही नहीं, राज्य के 33 ज़िलों (जनपदों) की सभी तहसीलों में 125 मिलीमीटर से भी अधिक वर्षा हो चुकी है। इस उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन, मुख्य सचिव पंकज कुमार, राजस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कमल दायाणी, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव पंकज जोशी, सरदार सरोवर नर्मदा निगम के प्रबंध निदेशक (एमडी) जे. पी. गुप्ता, जल संसाधन, जलापूर्ति सहित सम्बद्ध विभागों के वरिष्ठ सचिव, अतिरिक्त सचिव तथा अभियंता भी उपस्थित थे।

पश्चिम रेलवे द्वारा साबरमती स्टेशन पर विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस प्रदर्शनी का आयोजन

अहमदाबाद (ईएमएस) देश की आजादी के 75 साल पूरे होने के अवसर पर अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत 14 अगस्त को पूरे देश में ठविभाजन विभीषिका स्मृति दिवसठ के रूप में मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में पश्चिम रेलवे द्वारा अहमदाबाद मंडल के साबरमती स्टेशन पर 10 से 14 अगस्त, 2022 तक एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 15 अगस्त, 2021 को माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 अगस्त को ठविभाजन विभीषिका स्मृति दिवसठ के रूप में मनाने की घोषणा की थी। यह दिन देश के लोगों के संघर्ष और बलिदान की याद में मनाया जा रहा है, जिन्होंने अविवेकपूर्ण नफरत और हिंसा के कारण अपनी जान गंवाई। इस दिन के महत्व को ध्यान में रखते हुए भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर) और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) द्वारा एक प्रदर्शनी आयोजित की गई है। यह फोटो प्रदर्शनी उन लाखों लोगों की पीड़ा एवं कसक को उजागर करने के लिए ऐतिहासिक तथ्यों को प्रदर्शित करती है, जिन्होंने विभाजन का दुख भोगा। यह प्रदर्शनी देश को पिछली शताब्दी में हुई मानव आबादी के सबसे बड़े विस्थापन की याद दिलाती है, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों को अपने जीवन को गवांना पड़ा। पश्चिम रेलवे द्वारा इस प्रदर्शनी को साबरमती स्टेशन पर आयोजित करने का निर्णय लिया गया है, जो हमारे देश के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण स्थान रखता है क्योंकि महात्मा गांधी ने साबरमती आश्रम से प्रसिद्ध दांडी यात्रा की शुरुआत की थी।

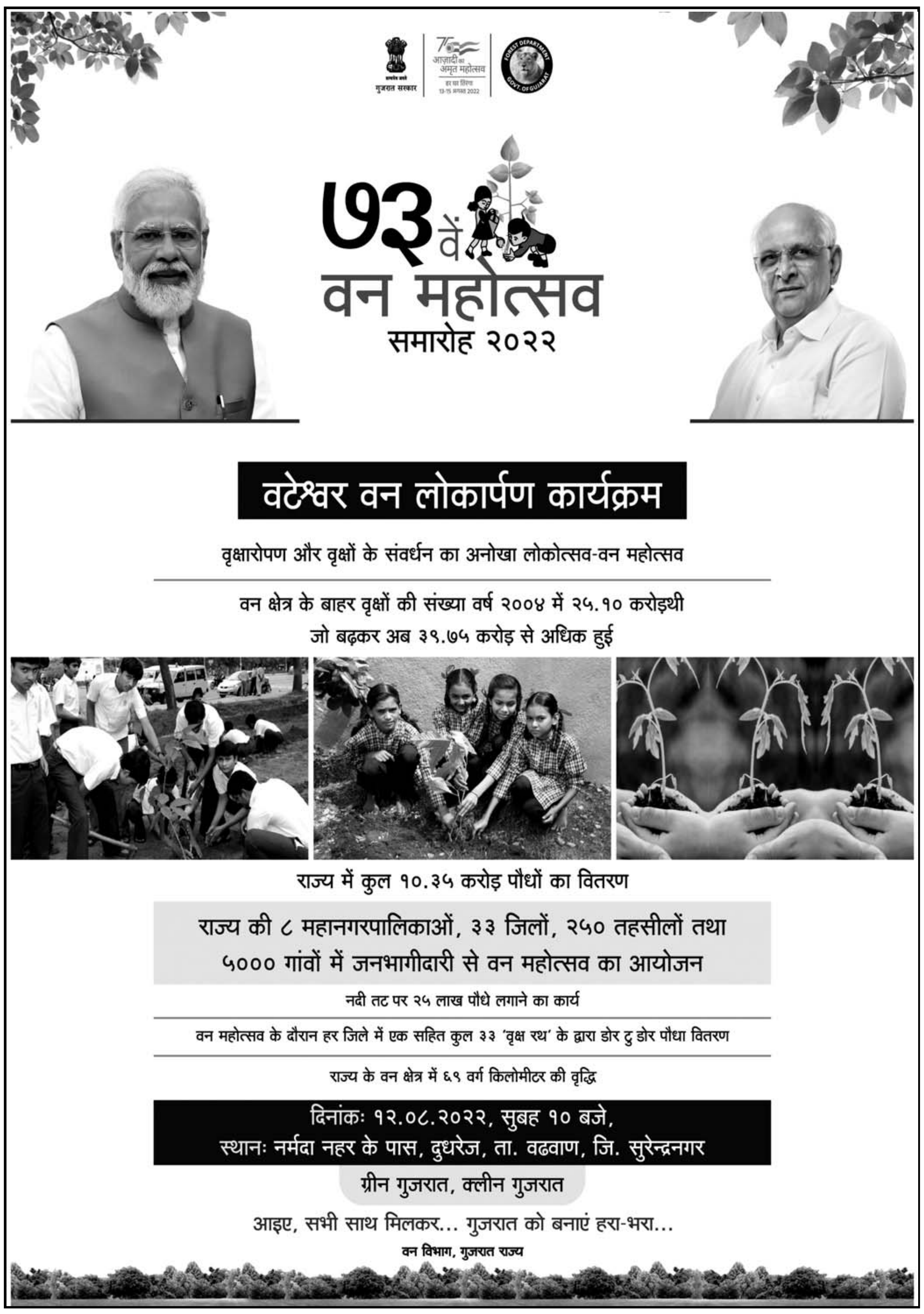

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95